कोटद्वार, गुरूवार
22 जनवरी 2026
वर्षः 48
अंकः 241 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

भालू के भय से भागते हुए पहाड़ी से गिरा बुजुर्ग की मौत

उत्तरकाशी। बीती मंगलवार देर शाम को लौंथरू–बयाणा गांव के पैदल मार्ग पर एक बुजुर्ग भालू के भय से भागते समय पहाड़ी से गिर कर घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हालांकि रेंज अधिकारी का कहना है कि क्षेत्र में भालू है या नहीं यह देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों और वनकर्मियों के अनुसार बीती मंगलवार देर शाम को सौरा निवासी विद्या प्रसाद रतूड़ी (72) लौंथरू–बयाणा पैदल मार्ग से जा रहे थे। तभी अचानक उन्हें कोटधार नामे तोक के पास एक भालू दिखाई दिया। उसके भय के कारण वे भागे तभी पैर फिसलने वे वे डिडसारी–बयाणा मोटर मार्ग पर जा गिरे। उस समय वहां से वाहन से जा रहे डिडसारी निवासी दो लोगों ने इसकी सूचना ग्रामीणों को दी। साथ ही उन्होंने वहां से भालू को भी भागते हुए देखा। ग्रामीणों ने गंभीर घायल बुजुर्ग को 108 एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मुखेम रेंज अधिकारी गोविंद पंवार ने कहा कि बुजुर्ग सड़क पर पड़े हुए थे। प्रथम दृष्टया पहाड़ी से गिरने के कारण मौत हुई है। इन तथ्यों की जांच की जा रही है कि वहां पर भालू मौजूद था या नहीं।

मोबाइल हैक कर खाते से उड़ाए 1.87 लाख रुपये

रुद्रपुर। रुद्रपुर निवासी एक युवक के मोबाइल को हैक कर उसके बैंक खाते से 1.87 लाख रुपये निकाल लिए गए। युवक की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। डॉक्टर कॉलोनी, सिविल लाइंस निवासी सोनू रस्तोगी पुत्र सुरेश चंद्र ने बताया कि 3 जनवरी को वह वाहेगुरु डायग्नोस्टिक सेंटर में ड्यूटी पर था। दोपहर बाद उसका मोबाइल अचानक हैंग होने लगा। शाम को दो अज्ञात नंबरों से कॉल आई, लेकिन कॉल रिसीव करने पर कोई जवाब नहीं मिला। जांच करने पर पता चला कि उसके मोबाइल की कॉल, मैसेज और वीडियो कॉल दूसरे नंबर पर फॉरवर्ड हो रहे थे। कुछ ही देर में बैंक से रुपये कटने के कई संदेश आए। जांच में सामने आया कि खाते से 49–49 हजार रुपये के तीन और 40 हजार रुपये का एक ट्रांजेक्शन कर कुल 1.87 लाख रुपये निकाल लिए गए। सीओ प्रशांत कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर संबंधित बैंक खातों की जांच की जा रही है।

हत्या के मामले में दोषी को आजीवन कारावास

रुद्रपुर। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मंजू सिंह मुंडे की अदालत ने बुधवार को सितारगंज में वर्ष 2023 में हुई हत्या के मामले के आरोपी को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही कुल 24 हजार का अर्थदंड भी लगाया है। वार्ड नंबर 13 गणेश कॉलोनी, सितारगंज निवासी कमला देवी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि उनके पति रज्जन सैनी 26 अप्रैल 2023 की सुबह टीचर कॉलोनी, सितारगंज के सामने मजदूरी के लिए खड़े थे। इसी दौरान वहां मौजूद मजदूर तौफीक अहमद और मोहम्मद हनीफ के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर उनके पति बीचबचाव करने पहुंचे। आरोप है कि इसी दौरान गुस्साए मोहम्मद हनीफ ने पास की मीट की दुकान से छुरा उठाकर उनके पति पर हमला कर दिया और गला रेतकर उनकी हत्या कर दी। सितारगंज पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था।

पुलिस ने 2 जुलाई 2023 को आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किए। मामले की सुनवाई के दौरान सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी सौरभ ओझा ने 10 गवाह प्रस्तुत किए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायालय ने वार्ड नंबर एक चिंतीमझरा, सितारगंज निवासी मोहम्मद हनीफ पुत्र अब्दुल को धारा 302 व 307 आईपीसी में आजीवन कारावास और दस–दस हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। इसके अतिरिक्त धारा 506 आईपीसी में एक वर्ष की सजा व दो हजार रुपये और धारा 4/25 में छह माह की सजा व दो हजार रुपये का जुर्माना लगाया। सजा सुनाए जाने के बाद आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में हल्द्वानी उपकारागार भेज दिया गया।

गणतंत्र दिवस परेड में पहली बार दिखेगी भारत की अत्याधुनिक हाइपरसोनिक मिसाइल

1500 किमी तक कर सकती है वार

नईदिल्ली,। भारत इस साल अपना 77वां गणतंत्र दिवस मना रहा है. इस अवसर पर हर साल 26 जनवरी के दिन दिल्ली में कर्तव्य पथ पर भारत दुनिया को अपनी ताकत दिखाता है. जिसे देखने के हजारों की संख्या में लोग पहुंचते हैं. इसके साथ ही दुनिया के किसी देश के राष्ट्राध्यक्ष को भी मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया जाता है. इस बार यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सेंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन मुख्य अतिथि के रूप में कर्तव्य पथ पर मौजूद रहेंगे. गणतंत्र दिवस परेड के दौरान कर्तव्य पथ पर सभी राज्यों की झांकियों के साथ भारत की तीनों सेनाओं की झांकियां भी निकलती है. जिसमें सेनाओं के पराक्रम और भारत के मिसाइलों, तोपों, टैंक और हथियारों का प्रदर्शन किया जाता है. गणतंत्र दिवस परेड में पहली बार भारत की लॉन्ग रेंज एंटी–शिप हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल मिसाइल को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया जाएगा. इस मिसाइल को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने विकसित किया है.

इस मिसाइल की सबसे बड़ी खूबी उसकी मारक क्षमता है. ये एंटी शिप हाइपरसोनिक मिसाइल 1500 किमी तक दुश्मन के ठिकानों को तबाह कर सकती है. इस मिसाइल से हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति को बेहद मजबूत मिलेगी.

23 जनवरी को बारिश एवं बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट

देहरादून। मौसम विभाग द्वारा 23 जनवरी को उत्तराखंड में बारिश एवं बर्फबारी की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग द्वारा जारी अलर्ट के अनुसार उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़ जनपदों के लिए ऑरेंज अलर्ट, जबकि देहरादून, टिहरी, हरिद्वार, पौड़ी, अल्मोड़ा एवं नैनीताल जनपदों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। चेतावनी को दृष्टिगत रखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग ने एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। मौसम विभाग की चेतावनी को गंभीरता से लेते हुए मा0 मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बुधवार को सभी संबंधित जनपदों के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारियों तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

सिंधु जल संधि रद्द करने से तिलमिलाया पाकिस्तान

अब संयुक्त राष्ट्र में उठाया पानी का मुद्दा

इस्लामाबाद, भारत का सिंधु जल संधि को रद्द करने का फैसला पाकिस्तान पर भारी पड़ता जा रहा है। अब पाकिस्तान ने इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में उठाया है। पाकिस्तान ने कहा कि भारत के फैसले ने उसकी जल सुरक्षा के लिए संकट पैदा कर दिया है। कनाडा और संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय जल नीति बैठक में पाकिस्तान के राजदूत उस्मान जदून ने ये मुद्दा उठाया है।

उस्मान ने भारत पर 1960 की संधि का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत के हालिया आचरण में पाकिस्तान की ओर जल प्रवाह को बिना पूर्व सूचना के बाधित करना और महत्वपूर्ण जलवैज्ञानिक डेटा को छिपाना शामिल है। उन्होंने दावा किया कि इन कार्रवाइयों ने पाकिस्तान के लिए जल आपूर्ति को और अधिक अनिश्चित बना दिया है, जो कृषि और रोजमर्रा की जिंदगी के लिए सिंधु बेसिन पर काफी हद तक निर्भर है। उस्मान ने कहा कि पाकिस्तान के लिए जल असुरक्षा कोई सैद्धांतिक समस्या नहीं है, बल्कि यह एक वास्तविक समस्या है।

उन्होंने कहा कि देश की अर्ध–शुष्क जलवायु, बढ़ती जनसंख्या, ग्लेशियरों का पिघलना, सूखा और बाढ़ जैसे कारण पहले से ही जल प्रणालियों पर दबाव डाल रहे हैं। उन्होंने बताया कि सिंधु बेसिन पाकिस्तान की कृषि संबंधी जल आवश्यकताओं के 80 प्रतिशत से ज्यादा की पूर्ति करता है और करोड़ों लोगों की आजीविका के लिए जरूरी है।

इससे पहले पाकिस्तानी विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा था कि पश्चिमी नदियों पर भारत की कोई भी विकास परियोजना या कथित उल्लंघनपूर्ण गतिविधि को पाकिस्तान राजनीतिक, राजनयिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाएगा। ताहिर ने कहा था, सिंधु समझौता एक बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय समझौता बना हुआ है और इसे रोकने का कोई प्रावधान नहीं है। अगर नदियों में कुछ विकास कार्य होते हैं, तो जाहिर है कि हम इसे भारत के साथ सिंधु आयुक्त के स्तर पर उठाएंगे। भारत ने 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद सख्त कदम उठाते हुए सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। भारत ने कहा था कि खून और पानी साथ नहीं बह सकता। इसके बाद पाकिस्तान ने भारत को 4 पत्र लिखकर संधि पर चर्चा का अनुरोध किया था। पाकिस्तान भारत के फैसले को अवैध और एकतरफा बताते हुए विश्व बैंक भी गया था, लेकिन वहां से भी उसे झटका लगा था।

विश्व बैंक की मध्यस्थता से 1960 में पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और तत्कालीन पाकिस्तानी राष्ट्रपति अयूब खान के बीच सिंधु जल संधि हुई थी। इसके तहत सिंधु घाटी में बहने वाली 3 पूर्वी नदियों (रवि, सतलज, व्यास) पर भारत का, जबकि 3 पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम, चिनाब) पर पाकिस्तान का अधिकार है। नदियां भारत से होकर बहती हैं, इसलिए पश्चिमी नदियों के 20 प्रतिशत पानी पर भारत का अधिकार है, वो सिंचाई समेत अन्य परियोजनाओं में इसका उपयोग करता है।

भारत में रीजनल यात्री विमान बनाने की तैयारी, सरकार खर्च करेगी 12,500 करोड़ रुपये

नईदिल्ली,केंद्र सरकार देश में एक रीजनल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट विकसित करने के लिए एक खास कंपनी यानी स्पेशल पर्पस व्हीकल (एसपीवी) बनाने की योजना पर काम कर रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रोजेक्ट पर करीब 12,511 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। सबसे अहम बात यह है कि इस रकम का बड़ा हिस्सा विमान के डिजाइन से ज्यादा उसके सर्टिफिकेशन, टेस्टिंग और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च किया जाएगा, जिससे सिविल विमान निर्माण की जटिलता साफ दिखती है।

प्रस्तावित एसपीवी को एक डेडिकेटेड प्लेटफॉर्म के रूप में तैयार किया जाएगा, जो पूरे एयरक्राफ्ट प्रोजेक्ट को डिजाइन से लेकर सर्टिफिकेशन और फिर प्रोडक्शन तक आगे बढ़ाएगा। इसका मकसद सरकारी सहयोग, तकनीकी भागीदारों और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को एक साथ लाना है। केंद्र सरकार इस एसपीवी के जरिए फंडिंग, साझेदारी और कामकाज के बेहतर तालमेल को सुनिश्चित करना चाहती है, ताकि जिम्मेदारियां अलग–अलग एजेंसियों में बंटने से बच सकें।

इस प्रोजेक्ट में अंतरराष्ट्रीय तकनीकी विशेषज्ञों की भूमिका भी अहम होगी। डिजाइन, सर्टिफिकेशन और फ्लाइट टेस्टिंग के लिए एक विदेशी नॉलेज पार्टनर को शामिल करने का प्रस्ताव है, जिस पर करीब 750 करोड़ रुपये खर्च हो सकते हैं।

इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि विमान वैश्विक सुरक्षा मानकों पर खरा उतरे। खास तौर पर अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत सर्टिफिकेशन के लिए विदेशी अनुभव और तकनीकी सलाह को जरूरी माना जा रहा है। प्रस्ताव के अनुसार, सिर्फ सर्टिफिकेशन पर ही 2,500 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च होने का अनुमान है। इसमें हजारों घंटे की ग्राउंड और फ्लाइट टेस्टिंग, दस्तावेजीकरण और अलग–अलग परिस्थितियों में विमान की सुरक्षा जांच शामिल है। इसके अलावा, इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रोटोटाइप, सिस्टम और स्वदेशीकरण पर भी बड़ी राशि रखी गई है। यह दिखाता है कि एक सुरक्षित और भरोसेमंद यात्री विमान तैयार करना कितना समय लेने वाला और महंगा काम होता है।

ट्रंप ने भारत–पाकिस्तान के बीच युद्धविराम को प्रमुख जीत बताया, कहा– वे परमाणु हमला कर देते

वाशिंगटन,अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया है और वह उनकी सबसे प्रमुख जीत है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि अगर भारत–पाकिस्तान युद्ध न रोका जाता तो वे एक–दूसरे पर परमाणु हमला करने वाले थे। उन्होंने कहा कि पिछले 10 महीनों में अमेरिका ने 8 युद्ध रुकवाएं हैं, जिनमें कुछ लड़ाईयां कभी खत्म नहीं हो सकती थीं।

ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ पर ओवल ऑफिस में मीडिया से कहा, मैंने 10 महीनों में 8 ऐसे युद्ध खत्म किए, जो कभी खत्म नहीं हो सकती थीं...पाकिस्तान और भारत। वे सचमुच एक–दूसरे से लड़ रहे थे। 8 विमानों को मार गिराया गया। मेरे विचार में वे परमाणु हमला करने वाले थे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री यहां आए थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 1 करोड़ लोगों की जान बचाई, या शायद इससे भी कहीं अधिक।

अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर अमेरिकी संस्था का दावा

कहा-दुर्घटनाग्रस्त विमान में कई खामियां थीं

अहमदाबाद,अमेरिका की विमानन सुरक्षा से जुड़ी एक संस्था ने दावा किया है कि गुजरात के अहमदाबाद में पिछले साल दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान में पहले भी कई खराबी आ चुकी थी। अमेरिकी अभियान समूह, फाउंडेशन फॉर एविएशन सेफ्टी ने बताया कि एयर इंडिया विमान में न केवल खराबी आई थी बल्कि उसमें पहले आग भी लग चुकी थी। संस्था ने अपनी रिपोर्ट अमेरिकी सीनेट को भेजी है, जिसमें अपने निष्कर्षों को रेखांकित किया है। दुर्घटना की आधिकारिक जांच जारी है।

सूत्रों के मुताबिक, अमेरिकी संस्था ने कहा कि उसने यह दावा उन दस्तावेजों के आधार पर किया है, जो उसके हाथ लगे हैं। हालांकि, बोइंग ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दुर्घटना में शामिल विमान (पंजीकरण नंबर वीटी–एएनबी) शुरुआती 787 विमानों में से एक था। इसने पहली बार 2013 के अंत में उड़ान भरी थी और 2014 की शुरुआत में एयर इंडिया के साथ सेवा में शामिल हुआ था।

संस्था ने दस्तावेजों के आधार पर बताया कि एयर इंडिया में शामिल होने के पहले दिन से ही विमान के सिस्टम में खराबी आ रही थी। आरोप है कि ये खराबी 'इंजीनियरिंग, निर्माण, गुणवत्ता और रखरखाव संबंधी समस्याओं की एक विस्तृत और जटिल श्रृंखला' के कारण हुई थी। इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टवेयर की खामियां, सर्किट ब्रेकरों का बार–बार ट्रिप होना, तारों को नुकसान, शॉर्ट सर्किट, विद्युत प्रवाह की हानि और पावर सिस्टम घटकों का अत्यधिक गर्म होना शामिल था।

संस्था ने बताया कि जनवरी 2022 में विमान के पी 100 पावर डिस्ट्रीब्यूशन पैनल में आग लगी थी। यह उन 5 पैनलों में है जो इंजनों द्वारा उत्पन्न उच्च–वोल्टेज बिजली को विमान में वितरित करते हैं। आग से काफी नुकसान हुआ था, जिसके बाद पूरे पैनल को बदलना पड़ा। इसके बाद डिजाइनरों ने कई यांत्रिक और वायवीय घटकों को हटाकर हल्के विद्युत घटक लगाए थे। बता दें, बोइंग–787 विमान पिछली पीढ़ियों के यात्री विमानों से अधिक विद्युत प्रणालियों पर निर्भर है।

अहमदाबाद से लंदन जाने वाला एयर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान एआई–171 उड़ान भरते ही 12 जून, 2025 को एक छात्रावास से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी समेत 241 यात्रियों की मौत हो गई, जबकि एक यात्री जीवित बचा था। जमीन पर 20 लोग मारे गए थे। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो मामले की जांच कर रहा है, जिसमें अमेरिकी अधिकारी शामिल हैं, क्योंकि विमान और इंजन अमेरिका में बने थे।

जयशंकर ने स्पेन के विदेश मंत्री से की बातचीत

रक्षा सहयोग बढ़ाने, आतंकवाद से मिलकर लड़ने पर जोर

नई दिल्ली,विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहयोग की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि भारत और स्पेन दोनों आतंकवाद के शिकार हैं और दुनिया को इसके लिए जीरो टॉलरेंस दिखानी चाहिए. बुधवार को जयशंकर ने दिल्ली में भारत दौरे पर आए स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बेरेस के साथ बातचीत की और साझा चुनौतियों पर मिलकर काम करने की अहमियत पर जोर दिया.जयशंकर ने कहा, दुनिया में साफ तौर पर बहुत बड़ा बदलाव हो रहा है. देशों के लिए एक जैसी चुनौतियों पर मिलकर काम करना पहले से कहीं अधिक जरूरी हो गया है. यह खासकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के मामले में है, जहां भारत और स्पेन दोनों ही इसके शिकार हुए हैं. दुनिया को आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस

(कठोर रुख) दिखाना चाहिए.जयशंकर ने दोनों देशों के बीच नियमित उच्च–स्तरीय बातचीत और साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ बढ़ते रिश्तों पर भी जोर दिया. खास बात यह है कि 2026 में दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 70वीं सालगिरह है. भारत और स्पेन इस उपलब्धि को संस्कृति, पर्यटन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के द्विवर्षीय के साथ मना रहे हैं.जयशंकर ने कहा, भारत और स्पेन के बीच अच्छे और दोस्ताना रिश्ते हैं, जो साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और बहुपक्षवाद और नियम–आधारित व्यवस्था के सम्मान पर आधारित हैं. हमारा राजनीतिक जुड़ाव लगातार बढ़ा है, जिसकी पहचान नियमित उच्च–स्तरीय बातचीत से होती है. भारत और स्पेन इस साल, 2026 में, अपने कूटनीतिक रिश्तों की स्थापना की 70वीं सालगिरह मनाएंगे, साथ ही कल्चर, टूरिज्म और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डुअल ईयर भी मनाएंगे. यह पहल हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भविष्य के लिए सहयोग के साथ जोड़ने के हमारी साझा प्रतिबद्धता को दिखाती है. मुझे आपके साथ डुअल ईयर के लिए लोगो को संयुक्त रूप से लॉन्च करते हुए खुशी हो रही है. लोगो को ओपन कॉम्पिटिशन के जरिये मिली 1,900 से अधिक एंट्री में से चुना गया है. मैं टीमों को इस कोशिश के लिए बधाई देना चाहता हूं और सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद देना चाहता हूं.

उन्होंने एआई के लिए देश के ह्यूमन–सेंट्रिक अप्रोच और स्पेन के साथ बढ़ते रक्षा सहयोग पर भी ज़ोर दिया, जिसमें मेड–इन–इंडिया सी295 एयरक्राफ्ट का प्रोडक्शन भी शामिल है. जयशंकर ने कहा, भारत अगले महीने एआई इम्पैक्ट समिट की मेजबानी कर रहा है. एआई को लेकर हमारा नजरिया इंसानों पर आधारित, सबको साथ लेकर चलने वाला और इसके जिम्मेदार और नैतिक इस्तेमाल पर फोकस करने वाला है. मुझे लगता है कि यह यूरोप के जरिये जैसा ही है. हमें भरोसा है कि डुअल ईयर अधिक संस्थागत और इंडस्ट्री के साथ मिलकर काम करने को बढ़ावा देगा. वडोदरा में एयरबस–टाटा सी –295 फाइनल असेंबली लाइन का उद्घाटन हमारे नेताओं ने अक्टूबर 2024 में मिलकर किया था.

प्लॉट दिलाने के नाम पर फार्मा कर्मी से 24 लाख ठगे

देहरादून। सेलाकुई स्थित एक फार्मा कंपनी में कार्यरत कर्मचारी से ओम सिटी में प्लॉट दिलाने के नाम पर लाखों रुपये हड़प लिए गए। सौदा रद होने पर आरोपियों ने पूरी रकम वापस नहीं की। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने प्रॉपर्टी डीलर समेत दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रेमनगर निवासी भुवन चंद्र कोठियाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उन्हें मकान बनाने के लिए प्लॉट की तलाश थी। एक परिचित के माध्यम से उनकी मुलाकात प्रॉपर्टी डीलर अजय चौधरी निवासी देहराखास और अभिषेक पांडेय से हुई। आरोपियों ने उन्हें ओम सिटी देहराखास में 124 गज का एक प्लॉट दिखाया, जो मीना देवी के नाम पर था। आरोपियों ने दावा किया कि उन्होंने मूल मालिक को आधी रकम दे दी है और रजिस्ट्री सीधे भुवन के नाम हो जाएगी। दोनों पक्षों के बीच 11 जुलाई 2024 को 74.40 लाख रुपये में सौदा तय हुआ। भुवन ने अपनी जमा पूंजी और बैंक से लोन लेकर नकद और बैंक ट्रांजेक्शन के जरिए कुल 65 लाख रुपये का भुगतान किया। इसमें से कुछ रकम मूल मालिक और बाकी अभिषेक पांडेय के खाते में और नकद दी गई। आरोप है कि अभिषेक और अजय ने तय समय पर मूल मालिक को पूरा पैसा नहीं दिया। जिससे उन्होंने सौदा निरस्त कर दिया।

बाड़ा में कम नहीं हो रही गुलदार की दहशत

चार महिला वन दारोगा तैनात

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला मुख्यालय के सत्यखाल क्षेत्र से सटे गुलदार प्रभावित बाड़ा गांव में गुलदार की दहशत कम होने का नाम नहीं ले रही है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के आसपास गुलदार दिखाई देने से लोग दहशत में है। वहीं वन विभाग ने महिलाओं को सुबह और शाम जंगल जाने पर रोक लगा दी है। वन विभाग ने पैठाणी और थलीसैंण रेंजों से चार महिला वन दरोगाओं को बाड़ा में तैनात किया है।गढ़वाल वन प्रभाग के डीएफओ महातिम यादव ने बताया कि पैठाणी रेंज से वन दरोगा हिमानी पंदरियाल व सर्वजीत कौर, जबकि थलीसैंण रेंज से अपूर्वा डंडरियाल व मधु रौडियाल को बाड़ा व आसपास के गांवों में महिलाओं को जागरूक करने के लिए तैनात किया गया है। 15 जनवरी को गांव में हुई गुलदार की घटना के बाद से ही 25 सदस्यों की दो टीमें गांव में गश्त कर रही है। गुलदार प्रभावित बाड़ा गांव में वन विभाग आदमखोर को ढेर करने के लिए पहले ट्रैंकुलाइज करने की रणनीति पर काम कर रहा है। इसके लिए विभाग ने देहरादून वाइल्ड लाइफ से पशु चिकित्सक डॉ. प्रदीप मिश्रा के नेतृत्व में टीम को गांव में तैनात किया है। साथ ही विभाग के शूटर भी तैनात हैं। एसडीओ वन आयशा बिष्ट ने बताया कि ट्रैंकुलाइज करने के लिए गांव में चार सोलर सीसीटीवी कैमरे, सात ट्रैप कैमरे और सिरोली, बाड़ा व पिसोली तक पांच पिंजरे लगाए हुए हैं। ग्राम प्रधान नवदीप सिंह बिष्ट ने बताया कि बीते रविवार को बाड़ा के समीप चोपड़ा गांव के खेतों में गुलदार दिखाई दिया था।

इसरो के पिछले 12 महीनों में 3 उपग्रह नष्ट, प्रतिस्थापन में लग सकते हैं 2—3 साल

नईदिल्ली,भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को पिछले 12 महीनों में असफल हुए मिशनों के कारण नष्ट हुए 3 राष्ट्रीय सुरक्षा उपग्रहों को प्रतिस्थापित करने में 2–3 वर्ष का समय लगेगा। इसके पीछे वजह रॉकेट और उपग्रहों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की आपूर्ति में लगने वाला समय है। पिछले 6 प्रक्षेपणों में से 3 विफल हुए, जिनमें जीएसएलवी–एफ15, पीएसएलवी–सी62 और पीएसएलवी–सी62 मिशन शामिल हैं। नष्ट हुए तीनों सरकारी वित्त पोषित उपग्रह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण थे।

इसरो के अनुसार, रॉकेट्स और उपग्रहों में उपयोग होने वाली कुछ महत्वपूर्ण सामग्रियां और अंतरिक्ष–स्तरीय इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आयात किए जा रहे हैं। रॉकेट के लिए आयात का हिस्सा लगभग 10 और उपग्रह के लिए लगभग 50–55 फीसदी है। इसमें मेमोरी चिप्स, सेंसर, ऑनबोर्ड कंप्यूटर, रिले और अन्य वस्तुएं शामिल हैं। इनमें से कुछ पुर्जे अंतरराष्ट्रीय विक्रेताओं से आसानी से उपलब्ध हैं, जबकि कुछ विशेष रूप से बनवाए जाते हैं और उनकी डिलीवरी में समय लगता है।

सभी पुर्जों के उपलब्ध होने पर भी एक पूरे उपग्रह को असेंबल करने, एकीकृत करने और परीक्षण करने में कई महीने और साल भी लग जाते हैं। इसरो अपने अधिकांश उपग्रहों का निर्माण और संयोजन अपने ही प्लांट्स में करता है। इसलिए, भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी को असफल मिशनों को फिर से पूरा करने के लिए अपने मानव संसाधनों का पुनर्वितरण करना होगा, साथ ही विभिन्न चरणों में चल रहे मिशनों को प्राथमिकता देनी होगी।

मियांवाला फ्लाईओवर पर आग का गोला बना ट्रक

देहरादून। देहरादून–हरिद्वार हाईवे पर मियांवाला फ्लाईओवर से गुजर रहे ट्रक में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर समय रहते आग पर काबू पा लिया जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अभिनव त्यागी ने बताया कि मंगलवार रात को सिटी कंट्रोल रूम से फायर स्टेशन को सूचना दी गई कि मियांवाला फ्लाईओवर पर एक ट्रक में आग लग गई है। सूचना मिलते ही फायर यूनिट तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। मौके पर पहुंचकर फायर सर्विस के जवानों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक डिलीवरी होज पाइप से पानी की बौछार कर आग को बुझा दिया। आग लगने के दौरान ट्रक से उसका चालक और क्लीनर समय रहते उतर गया था।

नितिन नबीन की प्रदेश अध्यक्षों संग बैठक जारी, संगठन को मजबूत करने पर होगी चर्चा

नई दिल्ली,भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की बुधवार को नई दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में संगठनात्मक बैठक जारी है. इस बैठक में पार्टी के सीनियर पदाधिकारी, प्रदेश अध्यक्ष शामिल हुए हैं. जानकारी के मुताबिक भाजपा अपनी नई लीडरशिप के तहत अंदरूनी बातचीत शुरू कर रही है.

इससे पहले बीजेपी के सभी राज्य अध्यक्षों और राष्ट्रीय सचिवों को मीटिंग में शामिल होने का निर्देश दिया गया था, जहां संगठन को मजबूत करने और भविष्य की राजनीतिक रणनीति पर चर्चा होगी. बीजेपी के नेशनल जनरल सेक्रेटरी (ऑर्गनाइजेशन) बी.एल. संतोष के भी बातचीत के दौरान मौजूद रहने की उम्मीद है. नितिन नबीन ने मंगलवार को नई दिल्ली में पार्टी मुख्याल में अपने ऑफिस का चार्ज संभाला, यह पोस्ट पर ऑफिशियल प्रमोशन के कुछ ही घंटे बाद हुआ. नए बीजेपी अध्यक्ष के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भी उनके ऑफिस गए. उनके साथ मौजूद दूसरे सीनियर लीडर्स में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी और पार्टी के निवर्तमान अध्यक्ष जगत प्रसाद नड्डा शामिल थे. पीएम मोदी ने नितिन नबीन के परिवार वालों से भी थोड़ी देर मुलाकात की, उन्हें अहम भूमिका निभाने पर बधाई दी और कुछ हल्की–फुल्की बातें कीं. 45 साल के नितिन नबीन का बीजेपी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना पार्टी में एक 'नएझ् दौर और एक पीढ़ीगत बदलाव को दिखाता है, जो उनकी लीडरशिप में एक नई युवा लीडरशिप तैयार करने पर जोर देता है. इससे पहले भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने नितिन नबीन को अपना 'बॉसझ् और खुद को सिर्फ पार्टी का कार्यकर्ता बताया.

सम्पादकीय

आत्महत्या का सफरनामा

आज समाज में महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा की बातें काफी जोर–शोर से की जाती है और महिलाओं पर होने वाले अपराधों में तमाम संगठन सड़कों पर उतरने में भी देर नहीं लगते। महिलाओं की स्थिति को देखते हुए हमारे देश में उनके लिए काफी अधिकार एवं नियम कानून लागू किए गए हैं जिनका कहीं ना कहीं महिलाओं द्वारा दुरुपयोग भी किया जाता है। ऐसे मामलों में अक्सर निदीष लोगों खास तौर से पुरुषों को मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना भी झेलनी पड़ती है। केरल के कोझीकोड से ऐसा ही एक सनसनीखेज मामला सामने आया है जिसमें हालांकि अभी कानूनी प्रक्रिया चल रही है लेकिन सोशल मीडिया पर इस प्रकरण से जुड़े वायरल वीडियो ने महिलाओं द्वारा अधिकारों का गलत तरीके से प्रयोग करने पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। सार्वजनिक बस में सफर कर रही महिला ने एक पुरुष पर उसे गलत तरीके से छूने का आरोप लगाते हुए वीडियो वायरल किया इसके बाद पुरुष को समाज में आलोचना का शिकार बनना पड़ा और उसे बड़े पैमाने पर ट्रोल किया गया। युवक यह सब नहीं सह पाया और उसने आत्महत्या करते हुए अपना जीवन समाप्त कर लिया। इस आत्महत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया क्योंकि वीडियो में जिस प्रकार से जो कुछ भी नजर आ रहा था वह कहीं से भी ऐसा नहीं लग रहा था कि उक्त युवक द्वारा इस मुस्लिम लड़की को जानबूझकर छुआ जा रहा हो। महिला न केवल बस में सेल्फी बना रही थी बल्कि उसने अपनी वीडियो को बड़ा चढ़कर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया जो युवक की आत्महत्या का कारण बना। वीडियो में उन्होंने 41 वर्षीय दीपक यू पर आरोप लगाया कि बस के झटकों के बीच उसने जानबूझकर उन्हें गलत तरीके से छुआ। वीडि यो वायरल हो गया और सोशल मीडिया पर दीपक के खिलाफ गाली–गलौज और नफरत भरी टिप्पणियों की बाढ़ आ गई। कोझिकोड का दीपक एक टेक्सटाइल वर्कर था, अपने पूरे परिवार का सहारा था, वो मानसिक रूप से टूट गया और 18 जनवरी को उसने आत्महत्या कर ली। अब सवाल यह उठता है कि यदि बस में सफर कर रही इस महिला को लग रहा था कि यह पुरुष उसे गलत तरीके से छूने की कोशिश कर रहा है तो महिला खुद तुरंत वहां से क्यों नहीं हटी, या वह सिर्फ रील बनाने के उद्देश्य से ही यह सब कर रही थी? एक बारगी को तो वीडियो देखने पर ऐसा लग रहा है कि महिला खुद चाह रही थी कि वह पुरुष उसे टच करे, हालांकि इस तकनीकी बात की पुष्टि तो जांच एजेंसी ही करेगी लेकिन इस प्रकरण में युवक की कितनी गलती है और क्या वाकई वह ऐसा कर रहा था यह अब समाज के सामने आना बेहद जरूरी है ताकि महिला होने का लाभ उठाकर भविष्य में किसी दूसरे पुरुष के साथ अन्याय न होने पाए। एक सवाल यह उठता है कि एक होनहार युवक की आत्महत्या का गुनहगार कौन है? बिना किसी पुष्टि के किसी पर आरोप लगाकर वीडियो पोस्ट करना भी अपराध की श्रेणी में आता है। निश्चित तौर पर वीडियो बनाने वाली महिला भी उसकी मौत की जिम्मेदार है। सिर्फ एक महिला होना उसे यह अधिकार नहीं देता की वह किसी को भी बिना सोचे समझे केवल अपनी सेल्फी और पोस्ट के लिए गलत साबित करे, वह भी तब जब यात्रियों से भरी हुई बस में कई लोग सफर कर रहे हो। असल में हमारे समाज में परिस्थितियों ऐसी बन गई है कि एक पुरुष होना ही गुनाह है, हर तरफ तिरस्कार? आरोप लगाने पहले महिलाएं भी एक पुरुष की नजर से सोचे वो भी ऐसा जिसे अपना जमीर और इज्जत प्यारी है, जो सोचता है अपने बच्चो से कैसे नजर मिलाएगा, शायद पत्नी तो समझ जाए परंतु बच्चे समाज का ताना सुनकर सवाल करते है। दीपक भी टूट गया और हार गया, उस लड़की से नही जिसने वीडियो बनाई बल्कि अपने ही समाज से जिसने तत्काल अपनी राय बना ली। युवक की मनोदशा शायद यही रही होगी कि इंसाफ मिल भी जाए तो क्या है, सम्मान तो वापस नहीं आएगा। वो व्यक्ति जिसने उम्र भर अपने समाज, करीबियों और परिवार के लिय त्याग दी, उसके लिए ऐसे आरोप और तंज आखिरकार जानलेवा बन गए।

पांच साल बाद भी कांग्रेस नहीं समझ पाई

भारतीय जनता पार्टी ने हिंदू वोटों की गोलबंदी की राजनीति तेज की है। उसका वोट प्रतिशत हर चुनाव के साथ बढ़ रहा है। उसे पिछले विधानसभा चुनाव में 12 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे। हालांकि उसे एक भी सीट नहीं मिली थी। उसके बाद हुए लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को 19 फीसदी से ज्यादा वोट मिले और उसका खाता भी खुला। त्रिशुर में सुरेश गोपी चुनाव जीते तो तिरूवनंतपुरम में राजीव चंद्रशेखर सिर्फ 16 हजार वोट से शशि थरूर के हाथों हारे। पांच लोकसभा सीटों पर भाजपा को दो लाख से ज्यादा वोट मिले, जिनमें से दो सीटों पर उसके वोट तीन लाख से ज्यादा थे। तभी भाजपा अब एक बड़ी ताकत के तौर पर इस बार चुनाव मैदान में उतर रही है। अगर उसे ओवरऑल 20 फीसदी वोट मिलता है और तिरूवनंतपुरम, त्रिशुर, कासरगौड, अलापुझा आदि इलाकों में फोकस करके वह चुनाव लड़ती है तो वह अच्छा प्रदर्शन कर सकती है और यह कांग्रेस व लेफ्ट दोनों के लिए चिंता की बात होगी। अगर कांग्रेस की बात करें तो गुटबाजी उसके लिए सबसे बड़ी समस्या है। केरल कांग्रेस में कई गुट हैं और कोई एक केंद्रीय नेता नहीं है। जब तक एके एंटनी सक्रिय थे तब तक केरल के फैसले वे करते थे। उनके साथ वायलार रवि और ओमन चांडी भी बड़े नेता थे। उनके बाद रमेश चेन्निथला धुरी बन सकते थे लेकिन राहुल गांधी के प्रयोगों के कारण केसी वेणुगोपाल बड़े नेता बन गए हैं। उनके अलावा वीडी सतीशन, के सुधाकरन, सनी जोसेफ सहित कई और नेता हो गए हैं। कम से कम आधा दर्जन नेताओं ने अपने गुट बनाए हैं। यह आम धारणा बनी है कि अगर कांग्रेस जीती तो वेणुगोपाल मुख्यमंत्री हो सकते हैं।इस तरह की बातों से कांग्रेस का प्रचार बिखरा हुआ दिख रहा है। शशि थरूर वैसे तो अब कांग्रेस लाइन पर ही चलने की बात कर रहे हैं लेकिन उनकी राजनीति का ऊंट चुनाव तक किस करवट बैठेगा यह नहीं कहा जा सकता है। प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड सीट से सांसद हैं और वे अगर सक्रिय होकर पार्टी को एकजुट करने की कोशिश करती हैं तभी कांग्रेस मजबूती से लड़ने के लिए आगे बढ़ेगी। दूसरी समस्या इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग की ज्यादा सीटों की मांग है। पिछली बार वह 20 सीटों पर लड़ी थी लेकिन इस बार वह सीधे दोगुनी सीटों की मांग कर रही है। कांग्रेस केरल की 140 में से एक सौ से ज्यादा सीटों पर लड़ना चाहती है। उसे मुस्लिम लीग के अलावा केरल कांग्रेस के दो और आरएसएपी के दो खेमों को एडजस्ट करना होता है। तीसरी समस्या चुनौती 10 साल की एंटी इन्कम्बैंसी की वजह से है। 10 साल से पिनरायी विजयन मुख्यमंत्री हैं और इस दौरान गोल्ड स्मलिंग से लेकर कई तरह के आरोप भी लगे हैं। उनकी बेटी के खिलाफ ईडी की जांच चल रही है। सहयोगी पार्टी सीपीआई ने केंद्रीय मदद के लिए भाजपा के एजेंडे पर सरकार चलाने के आरोप लगाया है तो मुस्लिम विरोधी वेल्लापल्ली नतेशन के साथ विजयन के संबंधों को लेकर भी निशाना साधा है। लोकसभा चुनाव और स्थानीय निकाय चुनाव में लेफ्ट की हार से पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरा है। हालांकि लेफ्ट के नेता इस नैरेटिव पर यकीन कर रहे हैं कि केरल के लोग दिल्ली के लिए कांग्रेस और तिरुवनंतपुरम के लिए लेफ्ट को चुनेंगे। कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ और सीपीएम के नेतृत्व वाले एलडीएफ की इस सीधा लड़ाई में पहली बार भाजपा मजबूत चुनौती पेश कर रही है।

अजीत द्विवेदी

चुनाव में कांग्रेस ने राज्य की 20 में से 19 सीटों पर जीत हासिल की। राहुल गांधी अमेठी की पारंपरिक सीट से हार गए थे लेकिन केरल की वायनाड सीट से रिकॉर्ड वोटों से जीते। वे दो साल केरल की राजनीति में सक्रिय भी रहे लेकिन 2021 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस बुरी तरह से चुनाव हार गई। कांग्रेस के नेता आजतक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचे कि आखिर केरल में हारे कैसे। यह गुत्थी कांग्रेस के लिए चिंता की बात इसलिए है क्योंकि आजादी के बाद से केरल में पांच साल पर सत्ता बदलने का रिवाज रहा है। लेकिन वह रिवाज 2021 में टूट गया। सीपीएम के नेतृत्व वाला लेफ्ट मोर्चा लगातार दूसरी बार चुनाव जीता। इससे पहले इसी तरह का रिवाज तमिलनाडु में टूटा था, जहां 2016 में अन्ना डीएमके लगातार दूसरी बार जीत गई थी। लेकिन 2021 में डीएमके ने शानदार वापसी की और बड़ी जीत हासिल की।सो, कांग्रेस को उम्मीद है है कि 2021 का चुनाव अपवाद रहा और इस बार वह बड़ी जीत हासिल करेगी। 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस गठबंधन ने शानदार प्रदर्शन किया और इस बार तो 20 में से 20 सीटें जीत गई। कांग्रेस को सिल्वर लाइनिंग स्थानीय निकाय चुनाव में दिखी है। दिसंबर में हुए स्थानीय निकाय चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने बड़ी जीत दर्ज की और छह नगरीय निकायों में से चार में कांग्रेस का एक में सीपीएम का मेयर बना। एक तिरूवनंतपुरम का मेयर पद भाजपा के खाते में गया। ध्यान रहे 2019 के लोकसभा चुनाव में जीत के बाद 2020 में कांग्रेस स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ गई थी। इस बार ऐसा नहीं हुआ है। इस बार लोकसभा और स्थानीय निकाय दोनों में कांग्रेस का गठबंधन जीता है। सो, 2021 जीतने का भरोसा है।

आमतौर पर केरल के बारे में हिंदी पट्टी में बहुत सी गलत धारणाएं हैं। जैसे यह धारणा है कि वहां मुस्लिम और ईसाई आबादी 45 फीसदी के करीब है तो ये दोनों ही तय करेंगे कि किसकी सरकार बनेगी। लेकिन असल में केरल की राजनीति 55 फीसदी हिंदू तय करते हैं। केरल के ब्राह्मण राजनीति में अहम भूमिका अदा करते हैं तो पिछड़ी जातियां खास कर एझवा का भी अहम रोल होता है। ऐसे ही एझवा के एक बड़े और लोकप्रिय नेता वेल्लापल्ली नतेशन को साथ लेकर मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन घूम रहे हैं। नतेशन मुस्लिम विरोधी भाषणों के लिए चर्चित रहे हैं फिर भी विजयन उनको साथ रखे हुए हैं तो कारण यह है कि अगर मुस्लिम वोट कांग्रेस की ओर रूझान दिखाता है तो पिछड़ी जातियों के वोट लेफ्ट के साथ जुड़ें। कांग्रेस के पास एझवा समुदाय के दिग्गज नेता वायलार रवि थे लेकिन उनके नहीं रहने के बाद इस स्पेस में कांग्रेस की राजनीति कमजोर हुई है। पारंपरिक रूप से केरल के ब्राह्मण लेफ्ट पार्टियों का समर्थन करते रहे हैं।

दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी ने हिंदू वोटों की गोलबंदी की राजनीति तेज की है। उसका वोट प्रतिशत हर चुनाव के साथ बढ़ रहा है। उसे पिछले विधानसभा चुनाव में 12 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे। हालांकि उसे एक भी सीट नहीं मिली थी। उसके बाद हुए लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को 19 फीसदी से ज्यादा वोट मिले और उसका खाता भी खुला। त्रिशुर में सुरेश गोपी चुनाव जीते तो तिरूवनंतपुरम में राजीव चंद्रशेखर सिर्फ 16 हजार वोट से शशि थरूर के हाथों हारे। पांच लोकसभा सीटों पर भाजपा को दो लाख से ज्यादा वोट मिले, जिनमें से दो सीटों पर उसके वोट तीन लाख से ज्यादा थे। तभी भाजपा अब एक बड़ी ताकत के तौर पर इस बार

मुस्लिम वोट पर कांग्रेस की निर्भरता की है। कांग्रेस के लिए अच्छी बात यह है कि भाजपा से लड़ने वाली इकलौती मजबूत ताकत के तौर पर कांग्रेस और राहुल गांधी को देखा जा रहा है। इसलिए हो सकता है कि मुस्लिम और ईसाई दोनों भाजपा को रोकने के लिए कांग्रेस का साथ दें।दूसरी ओर लेफ्ट के गठबंधन की

भारत की विदेश नीति का अमृतकाल!

बिहार व पूर्वी उत्तर प्रदेश के बड़े हिस्से के लोगों की रिश्तेदारियां नेपाल में हैं। दोनों तरफ शादियां होती रही हैं। लेकिन धीरे धीरे नेपाल कूटनीतिक, राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से भारत से दूर हो गया है। नेपाल के लोगों में भारत के प्रति अविश्वास है। भारत के नेताओं के बयानों और सरकार के कई फैसलों ने लोगों को नाराज किया है। नेपाल में हिंदी फिल्मों का बहिष्कार होता है। भारत की मुद्रा का तिरस्कार होता है। लोग भारत विरोधी नारे लगाते हैं। सीमा के पास खेतों में काम करने वाले लोगों पर हमले होते हैं।

हरिशंकर व्यास

भारत की विदेश नीति शांतिपूर्ण सहअस्तित्व के सिद्धांत पर आधारित रही है। लेकिन आज स्थिति है कि दक्षिण एशिया में, जहां आबादी और भौगोलिक कारणों से भारत को दादा होना चाहिए था वहां भी कोई देश भारत की बात नहीं सुन रहा है। न किसी देश में भारत के लिए प्यार बचा है और न किसी के मन में भारत की चिंता या भय है। नेपाल इसकी मिसाल है। बड़ी मुश्किल से नेपाल ने भारत के दो सौ और पांच सौ रुपए की नोट रखने और स्वीकार करने की इजाजत दी है। उसने एक दशक से ज्यादा समय से भारत की एक सौ रुपए से ऊपर के मूल्य की मुद्राओं को स्वीकार करना बंद कर दिया था। अब भी एक सीमा लगाई गई कि कोई भी भारतीय या नेपाली नागरिक दो सौ या पांच सौ रुपए के नोट 25 हजार रुपए से ज्यादा नहीं रख सकता है। नेपाल एक समय दुनिया का एकमात्र हिंदू राष्ट्र माना जाता था।

भगवान शिव के द्वादश ज्योर्लिंगों में से एक पशुपतिनाथ का मंदिर काठमांडू में है। लोग तीर्थाटन करने से लेकर घूमने और व्यापार करने के लिए नेपाल जाते थे। बिहार व पूर्वी उत्तर प्रदेश के बड़े हिस्से के लोगों की रिश्तेदारियां नेपाल में हैं। दोनों तरफ शादियां होती रही हैं। लेकिन धीरे धीरे नेपाल कूटनीतिक, राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से भारत से दूर हो गया है। नेपाल के लोगों में भारत के प्रति अविश्वास है। भारत के नेताओं के बयानों और सरकार के कई फैसलों ने लोगों को नाराज किया है। नेपाल में हिंदी फिल्मों का बहिष्कार होता है। भारत की मुद्रा का तिरस्कार होता है। लोग भारत विरोधी नारे लगाते हैं। सीमा के पास खेतों में काम करने वाले लोगों पर हमले होते हैं। नेपाल कालापानी और लिपूलेख जैसे भारत के इलाकों को अपना बताता है। चीन की कूटनीति नेपाल पर हावी है और भारत उससे दूर हो गया है। नेपाल के साथ भारत के संबंध कभी भी पहले जैसे होंगे इसमें अब संशय है। चीन की मदद से पाकिस्तान के लोगों की नेपाल में कद्र है लेकिन भारत के हिंदू बेगाने हो रहे हैं।

बांग्लादेश का निर्माण भारत ने कराया था। भारत की तत्कालीन सरकार ने मुक्ति वाहिनी की लड़ाई को हर तरह से मदद दी थी। पाकिस्तान की सेना ने भारत के सामने सरेंडर किया था और भारत ने सबसे पहले एक स्वतंत्र देश के तौर पर बांग्लादेश को मान्यता दी थी। लेकिन आज बांग्लादेश में सबसे ज्यादा नफरत भारत से है और हिंदुओं से है। आए दिन हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं। उनको देश छोड़ने या धर्म परिवर्तन के लिए बाध्य किया जा रहा है। नेपाल में चीन और पाकिस्तान का अड्डा बन रहा है। पाकिस्तान के ढाका स्थित उच्चायोग से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के अधिकारी भारत विरोधी साजिशें कर रहे हैं। कट्टरपंथी ताकतें मजबूत हो रही हैं और सीमा पर भारत की स्थिति कमजोर होती जा रही है।

कमोबेश यही हाल हर पड़ोसी के साथ है। चीन के साथ सीमा का विवाद है और घनघोर अविश्वास है। भारत एक तरह से चीन का आर्थिक उपनिवेश बन गया है फिर भी चीन की नजर भारत के अरुणाचल प्रदेश पर है। वह बांग्लादेश, पाकिस्तान, म्यांमार और श्रीलंका के जरिए भारत को घेरे हुए है। श्रीलंका के आर्थिक संकट में भारत ने सबसे पहले मदद की लेकिन श्रीलंका का झुकाव लगातार चीन की ओर है। म्यांमार की सैनिक तानाशाही चीन के असर में है। पाकिस्तान तो ऑपरेशन सिंदूर के बाद शेर हो गया है और दक्षिण एशिया के दादा की तरह बरताव कर रहा है। बांग्लादेश, नेपाल हर जगह उसके ठिकाने बन रहे हैं। ऐसे ही मालदीव भी चीन का मोहरा बना है। लगभग हर पड़ोसी के साथ भारत का सामरिक टकराव स्थाई होता है। मगर सत्ता के चश्मे से क्या दिख रहा है? भारत की विदेश नीति का अमृतकाल!

सनी देओल की फिल्म बॉर्डर 2 के साथ दिखाया जाएगा धुरंधर 2 का टीजर

धुरंधर की धुआंधार सक्सेस के बाद अब दर्शकों को फिल्म के सीक्वल का इंतजार है. अभी धुरंधर थिएटर्स से हटी भी नहीं है और मेकर्स ने फिल्म के सेकेंड पार्ट की पहली झलक रिलीज करने का फैसला कर लिया है. धुरंधर– पार्ट 2 का टीजर सनी देओल की मोस्ट अवेटेड फिल्म बॉर्डर 2 के साथ थिएटर्स में दिखाया जाएगा. इसके साथ ही मेकर्स ने धुरंधर– पार्ट 2 की रिलीज डेट पोस्टपोन ना करने का फैसला भी कर लिया है. बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट में धुरंधर– पार्ट 2 का टीजर बॉर्डर 2 के साथ अटैच किए जाने की जानकारी दी गई है. रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से लिखा है– इसका मकसद सिनेमा देखने वाले दर्शकों के दिमाग में रिलीज डेट को फिर से बिठाना है. धुरंधर 2 ईद 2026 को रिलीज होने वाली है, टीजर कुछ नए सीन्स के साथ इस डेट को फिर से स्थापित करेगा. रिपोर्ट में आगे लिखा है– धुरंधर 2 और बॉर्डर 2 दोनों ही देशभक्ति पर आधारित फिल्में हैं, और जियो स्टूडियोज की टीम देशभक्ति सिनेमा की इस लहर का फायदा उठाना चाहती है. पहले पार्ट के एंड क्रेडिट्स से लिया गया नया टीजर बड़े पर्दे पर प्रीमियर के बाद डिजिटल प्लेट-फॉर्म पर भी जारी किया जाएगा.

बॉक्स ऑफिस पर हैप्पी पटेल और राहु केतु का बंटाधार, धुरंधर ने फिर जीत ली बाजी

नए साल में बॉक्स ऑफिस पर नई फिल्मों का आगमन हुआ, जिनसे दर्शकों ने खूब उम्मीदें लगाईं। इसके बावजूद यह फिल्में लोगों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकीं। आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म हैप्पी पटेल रिलीज के बाद से निराशाजनक कमाई कर रही है। दूसरी ओर, पुलकित सम्राट की राहु केतु भी बॉक्स ऑफिस पर बेदम रही।

उधर रणवीर सिंह की धुरंधर ने रिलीज के 45वें दिन भी इन फिल्मों को चारों खाने चित कर दिया है। सैकनिल्क के मुताबिक, वीर दास अभिनीत हैप्पी पटेल ने 1.25 करोड़ रुपये से ओपनिंग ली। फिर दूसरे दिन 1.6 करोड़ और तीसरे दिन 1.50 करोड़ रुपये कमाए। 3 दिनों में फिल्म ने 4.35 करोड़ रुपये का कारोबार किया। उधर, पुलकित और वरुण शर्मा की राहु केतु बॉक्स ऑफिस की दशा बदलने से चूक गई। इसने पहले दिन 1 करोड़, दूसरे दिन 1.65 करोड़ और तीसरे दिन 1.75 करोड़ रुपये कमाए। अब तक फिल्म का कारोबार 4.40 करोड़ रुपये हुआ है। धुरंधर 5 दिसंबर, 2025 को रिलीज हुई थी, जिसका दबदबा बॉक्स ऑफिस पर अब तक कायम है।

विराट कोहली को पछाड़कर डेरिल मिचेल बने विश्व के नंबर–1 वनडे बल्लेबाज

नईदिल्ली, भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली अब आईसीसी वनडे रैंकिंग में विश्व के नंबर–1 बल्लेबाज नहीं रहे। न्यूजीलैंड के खिलाड़ी डेरिल मिचेल ने अब ये उपलब्धि अपने नाम कर ली है। यह बदलाव भारत की न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में 1–2 से हुई सीरीज हार के बाद हुआ है। कोहली ने पिछले हफ्ते वनडे में शानदार प्रदर्शन कर नंबर–1 स्थान हासिल किया था। हालांकि, अब मिचेल ने उन्हें पीछे छोड़ दिया है। रैंकिंग में मिचेल के 845 रेटिंग पॉइंट्स पर हैं, वहीं कोहली अब 795 पॉइंट्स पर हैं। न्यूजीलैंड ने इतिहास में पहली बार भारतीय धरती पर वनडे सीरीज जीती है, जिसमे मिचेल का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने 3 पारियों में

176 की औसत से 352 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब जीता। उन्होंने इस सीरीज में 2 शतक और एक अर्धशतक जड़ा और वह 3 मैचों की वनडे सीरीज में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। मिचेल और कोहली के बाद, अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान तीसरे पायदान पर हैं। अफगानी बल्लेबाज के 764 रैंकिंग पॉइंट्स हैं। रोहित शर्मा को एक पायदान का नुकसान हुआ है। पूर्व भारतीय कप्तान अब 757 रेटिंग पॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। शुभमन गिल 5वें और केएल राहुल 10वें स्थान पर मौजूद हैं। श्रेयस अय्यर शीर्ष–10 से बाहर हुए हैं। वह अब 656 पॉइंट्स के साथ 11वें स्थान पर हैं। फिलिप्स ने इंदौर में खेले गए सीरीज के तीसरे वनडे में 88 गेंदों में 106 रन बनाए, जिससे वह बल्लेबाजों की सूची में 16 पायदान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर पहुंच गए। फिलिप्स वनडे ऑलराउंडरों की लिस्ट में भी 14 स्थान ऊपर चढ़कर 31वें स्थान पर आ गए हैं, जिसमें अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह उमरजई शीर्ष पर बने हुए हैं।

शाहरुख खान की किंग की रिलीज डेट कंफर्म

शाहरुख खान को आखिरी बार दिसंबर 2024 में रिलीज हुई फिल्म डंकी में देखा गया था. अब सुपरस्टार अपने एक्शन पैक्ड फिल्म किंग से बड़े पर्दे पर वापसी करने वाले हैं. किंग 2026 में ही थिएटर्स में रिलीज होगी, लेकिन फिर भी इसके लिए फैंस को लंबा इंतजार करना होगा. शाहरुख खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म किंग की रिलीज डेट का खुलासा हो गया है. ये फिल्म रणबीर कपूर की रामायण की रिलीज के डेढ़ महीने बाद थिएटर्स में आएगी.

रिपोर्ट की मानें तो सिद्धार्थ आनंद के डायरेक्शन में बनी किंग क्रिसमस 2026 पर सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है. अहम बात ये है कि फिलहाल क्रिसमस रिलीज के लिए कोई बड़ी

बॉलीवुड फिल्म लाइनअप नहीं है. ऐसे में शाहरुख खान की किंग को बॉक्स ऑफिस पर एकतरफा राज कर सकती है. मेकर्स अगले हफ्ते किंग की रिलीज डेट अनाउंस कर सकते हैं.

किंग की रिलीज डेट को लेकर रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से लिखा है– एसआरके और सिद्धार्थ आनंद अपनी फिल्म की रिलीज के लिए कई ऑप्शन्स पर विचार कर रहे थे, जिनमें से दो सबसे आगे थे, 4 दिसंबर और 25 दिसंबर. सभी ऑप्शन्स पर सोचने के बाद, उन्होंने अपनी एक्शन से भरपूर फिल्म के लिए क्रिसमस 2026 की रिलीज डेट फाइनल कर ली है.

शफाली वर्मा डब्ल्यूपीएल में 1,000 रन बनाने वाली सिर्फ चौथी बल्लेबाज बनी

नईदिल्ली,विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की सलामी बल्लेबाज शफाली वर्मा ने अहम उपलब्धि हासिल की। उन्होंने मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ मैच में जीत के लिए मिले 155 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 29 रन बनाए और इस दौरान डब्ल्यूपीएल करियर के अपने 1,000 रन पूरे किए। उन्होंने अपना 15 रन बनाते ही ये आंकड़ा छूआ। आइए शफाली के डब्ल्यूपीएल करियर पर एक नजर डालते हैं।

एमआई की नेट साइवर–ब्रंट डब्ल्यूपीएल इतिहास में 1,000 रन बनाने वाली पहली खिलाड़ी थी। उन्होंने यह कमाल पिछले सीजन में किया था। यूपी वॉरियर्स की मेग लैनिंग भी इस सूची में शामिल हैं, जिन्होंने अब तक टूर्नामेंट में 1,145 रन बनाए हैं। एमआई की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने लीग में अब तक 1,091 रन बना लिए हैं और शफाली इस मुकाम पर पहुंचने वाली चौथी बल्लेबाज बन गई हैं।

बांग्लादेश के समर्थन में उतरा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड

नईदिल्ली,बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और भारत के बीच चल रहे तनाव के बीच बीसीबी को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का साथ मिला है। बीसीबी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से टी–20 विश्व कप 2026 के अपने मैचों को भारत से श्रीलंका स्थानांतरित करने की मांग की है। अब पीसीबी ने आईसीसी को पत्र लिखकर राजनीतिक अशांति के बीच बीसीबी के रुख के प्रति समर्थन जताया है। आईसीसी की एक बैठक में बुधवार को इस मुद्दे पर चर्चा की जाएगी।

पीसीबी के हालिया लिखे गए पत्र के बावजूद, आईसीसी के अपने रुख में बदलाव करने की संभावना कम है। आगामी टी–20 विश्व कप कार्यक्रम को

लेकर आईसीसी अपने फैसले पर कायम है, जिसका मतलब है कि मैच तय कार्यक्रम के अनुसार भारत में ही होंगे। पिछले सप्ताह बीसीबी और आईसीसी प्रतिनिधियों के बीच हुई बातचीत के दौरान भी इस बात को दोहराया गया था।

बीसीबी ने अपने ग्रुप–स्टेज मैचों के लिए भारत जाने से इनकार किया हुआ है। बांग्लादेश की सरकार ने भी अपने बोर्ड का समर्थन किया है। इस मुद्दे पर आईसीसी और बीसीबी के बीच कई बार बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन दोनों में से किसी ने भी अपना रुख नहीं बदला। इस पर निर्णय लेने की अंतिम तिथि आज यानी 21 जनवरी तय की गई है।

एक नजर

जीआईसी घमंडपुर की पांच छात्राओं का उत्तराखंड की टीम में चयन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय बालिका इंटर कालेज घमंडपुर जनपद पौड़ी की पांच छात्राओं का चयन अंडर-17 वर्ग की हाकी प्रतियोगिता के लिए हुआ है। छात्राओं की इस सफलता पर शिक्षकों व अभिभावकों ने खुशी व्यक्त की है।विद्यालय की छात्र मोनिका, पीहू, अंकिता, अक्षिता व गुंजन का चयन राष्ट्रीय हाकी प्रतियोगिता के लिए हुआ है। छात्राएं 27 जनवरी से झारखंड रांची में होने वाली हाकी प्रतियोगिता में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। छात्राओं की सफलता पर व्यायाम शिक्षिका रज्जू फुलौरिया, प्रधानाचार्य सुषमा दास, तजेंद्र सिंह रावत ने खुशी व्यक्त की है।

ऊर्जा निगम का राजस्व वसूली अभियान शुरू

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : ऊर्जा निगम ने बकायेदारों से राजस्व वूसली के लिए अभियान शुरू कर दिया है। कुछ उपभोक्ताओं पर हजारों तो कुछ पर लाखों रूपये का बकाया चल रहा है, जो लंबे समय से बिल की धनराशि जमा नहीं कर रहे है। अभियान के तहत शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे उपभोक्ताओं को चिह्नित किया जा रहा है जिन पर लंबे समय से बिजली बिल बकाया है।

विद्युत उपखंड के अधिशासी अभियंता गोविंद रावत ने बताया कि राजस्व वसूली को लेकर विभागीय टीमों का गठन किया गया है जो क्षेत्र में लगातार भ्रमण कर बकायेदार उपभोक्ताओं से संपर्क कर रही हैं। बताया कि कुछ उपभोक्ताओं पर हजारों तो कुछ पर लाखों रुपये तक का बकाया चल रहा है, जिससे विभाग को राजस्व की हानि हो रही है। ऊर्जा निगम का यह अभियान राजस्व बढ़ाने के साथ-साथ बिजली व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

बहुउद्देशीय शिविर में 23 शिकायतें दर्ज

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के तहत विकासखंड पौड़ी के न्याय पंचायत कंडारा में बहुउद्देश्यीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों ने 23 शिकायतें दर्ज कराई।

इस दौरान शिविर में मुख्य अतिथि राज्य स्तरीय जलागम परिषद के उपाध्यक्ष रमेश सिंह गड़िया ने कहा कि शिविर आमजन को सरकारी योजनाओं से सीधे जोड़ने का प्रभावी माध्यम है। संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी ने बताया कि शिविर के दौरान 23 समस्याएं प्राप्त हुईं, जिनमें से अधिकांश का समाधान मौके पर किया। शिविर में ज्येष्ठ प्रमुख अर्चना तोपाल, खंड विकास अधिकारी दृष्टि आनंद, क्षेत्र पंचायत सदस्य कंडारा कुसुम खंडूड़ी, उरेगी यशोदा देवी, निसणी संजय सिंह, ग्राम प्रधान कंडारा शांति देवी आदि मौजूद रहे।

पौड़ी बना रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता का चैंपियन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सांसद चैंपियनशिप ट्रॉफी के तहत बुधवार को रस्सा-कस्सी व फुटबाल प्रतियोगिता के मुकाबले खेले गए। रांसी स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता के अंडर-14 में पौड़ी विधानसभा प्रथम, देवप्रयाग द्वितीय व नरेंद्रनगर तृतीय स्थान पर रहा। वहीं इसी आयु वर्ग के बालक वर्ग के फुटबाल प्रतियोगिता का पहला मैच केदारनाथ व श्रीनगर के बीच खेला गया, जिसमें केदारनाथ ने श्रीनगर को 3-0 से पराजित किया। दूसरा मैच पौड़ी व देवप्रयाग के बीच खेला गया। पौड़ी ने देवप्रयाग को पेनाल्टी शूट आउट में 4-2 से हराकर अगले चरण में प्रवेश किया। तीसरे में कोटद्वार ने नरेंद्रनगर को 2-0 से हराया। जिला युवा कल्याण अधिकारी रविंद्र कुमार सिंह ने बताया कि शेष मुकाबले गुरूवार को खेले जाएंगे। इस अवसर पर क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी नरेश रावत, भगवान गुसांई, महेश, मो. आरिफ, दिनेश सिंह नेगी, आदेश बहुगुणा, मनोज बजरियाल, प्रियंका आदि मौजूद रहे।

चार पेटी अंग्रेजी शराब बरामद

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी महोदय प्रतीक जैन के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी रमेश बंगवाल के मार्गदर्शन में जनपद रुद्रप्रयाग में आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को आबकारी टीम द्वारा भीरी रोड पर नियमित रोड चेकिंग के दौरान एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। रोड चेकिंग के दौरान एक सैंट्रो कार को रोका गया, जिसकी तलाशी लेने पर वाहन से अंग्रेजी शराब की कुल चार पेटियां बरामद की गईं। बरामद शराब में 192 पव्वे एवं 48 अद्धे शामिल हैं। मौके से मुन्ना नामक अभियुक्त को पकड़ा गया, जिसे नियमानुसार हिरासत में लेकर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

बसंतोत्सव के पहले दिन दिखी सांस्कृतिक छटा

कण्वाश्रम में आयोजित किया जा रहा बसंतोत्सव

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अंतर्गत कण्वाश्रम में बुधवार से कण्वाश्रम बसंत महोत्सव का श्रीगणेश हो गया है। पहले दिन बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। साथ ही बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

बुधवार को आयोजित कण्वाश्रम महोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बच्चों के लिए बालीबॉल, कबड्डी, पेंटिंग सहित अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान अतिथियों ने विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति व सभ्यता के प्रचार-प्रसार के लिए आगे आने की अपील की। कहा कि हमारी संस्कृति ही हमारी पहचान है। इसके लिए हमें अपनी संस्कृति के संरक्षण के लिए आगे बढ़कर कार्य करना चाहिए। इस दौरान विद्यार्थियों ने गढ़वाली, कुमाऊंनी सहित अन्य गीतों पर प्रस्तुति दी। लोक गीतों पर दी गई विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। 22 जनवरी को महोत्सव में खेल प्रतियोगिताओं के साथ ही पारंपरिक वेशभूषा प्रतियोगिता होगी। साथ ही संस्कृति विभाग के कलाकारों की ओर से सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जाएगी। 23 जनवरी को उत्तराखंड के प्रसिद्ध लोकगायक पद्मश्री प्रीतम भरतवाण व साथी कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुति देंगे। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल, जिला उपाध्यक्ष मोहन सिंह नेगी, विजयानंद पोखरियाल, हरि सिंह पुंडीर, भाजयुमो जिलाध्यक्ष शांता बमराड़ा, शशि बाला केष्टवाल, उम्मेद बिष्ट, प्रमोद डोबरियाल, रजनीश चौधरी, मनमोहन द्विवेदी, सिमरन बिष्ट आदि मौजूद रहे।

कण्वाश्रम महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते कलाकार

अग्निवीर भर्ती रैली में युवाओं ने दिखाया दम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कौडिया विक्टोरिया क्रास के विजेता गबर सिंह कैंप स्थित बलवीर स्टेडियम में चल रही अग्निवीर भर्ती रैली में बुधवार को युवाओं ने अपना दम दिखाया। भर्ती रैली में दौड़ पूरी करने वाले युवाओं को आगे की प्रक्रिया के लिए भेजा गया। अग्निवीर भर्ती रैली के तहत मंगलवार तड़के युवा काशीरामपुर तल्ला स्थित मैदान में एकत्रित हो गए थे। इसके उपरांत सेना अधिकारियों ने उनके दस्तावेजों की जांच कर उन्हें दौड़ के लिए आगे मैदान में भेजा। जिसके बाद अलग-अलग जत्थों में युवाओं ने मैदान में प्रवेश किया। मैदान में निर्धारित समय पर दौड़ पूरी न करने वाले युवाओं को बाहर कर दिया गया। जबकि दौड़ में सफल रहे युवाओं की शारीरिक दक्षता परीक्षा शुरू हुई। इस दौरान भर्ती में पहुंचने वाले युवाओं के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सहित अन्य संगठनों की ओर से रहने व खाने की व्यवस्था बनाई गई।

रोवर रेंजर्स का एक दिवसीय शिविर आयोजित

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में रोवर रेंजर्स सेल द्वारा एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र चन्द्र सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्राचार्य ने कहा कि शिविरों से अनुशासन, समाजसेवा, भाईचारे के साथ सृजनात्मक ऊर्जा मिलती है। कहा कि इन शिविरों से अर्जित ज्ञान को समाज कल्याण में लगाना होगा। कहा कि रोवर्स रेंजर्स शिविर में विभिन्न विद्याओं के माध्यम से राष्ट्र के निर्माण के लिए श्रेष्ठ नागरिक तैयार किए जाते हैं। इस मौके पर रोवर रेंजर्स के प्रभारी डॉ. विक्रम रौतेला ने रोवर के संबंध में छात्रो को विस्तृत जानकारी दी। रेंजर्स की प्रभारी डॉ. जया कृष्णा ने स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। इस मौके पर डॉ. प्रमिला चौहान, धर्म सिंह पंवार आदि मौजूद रहे।

सुरक्षा दीवार निर्माण में नियमों की अनदेखी का आरोप

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने नगर निगम पर खोह नदी में सुरक्षा दीवार कार्य में नियमों की अनदेखी का आरोप लगाया है। कहा कि ट्रेंचिंग ग्राउंड की सुरक्षा व चौड़ाई बढ़ाने के लिए नदी के बीच में ही सुरक्षा दीवार का निर्माण करवाया जा रहा है। ऐसे में बरसात के समय खोह नदी से बाढ़ का खतरा बढ़ चुका है। पूर्व सैनिकों ने जल्द से जल्द व्यवस्था में सुधार करने की मांग की है।

बुधवार को समिति के सदस्य तहसील परिसर में पहुंचे। जहां उन्होंने समिति के अध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह के नेतृत्व प्रशासन के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा। पूर्व सैनिकों ने बताया कि आबादी के बीच से होकर गुजरने वाली खोह नदी प्रति वर्ष वर्षाकाल में तबाही मचाती है। 2023 में कई भवन खोह नदी के वेग में बह गए थे, जिसके कारण बाढ़ प्रभावितों को किराए के भवनों में जीवन गुजारना पड़ रहा है। बताया कि लोगों की शिकायत के बाद नगर निगम नदी के तटों पर सुरक्षा दीवार बना रहा है। लेकिन, खोह नदी में ट्रेचिंग ग्राउंड के समीप नियमों की अनदेखी कर बनाई जा रही सुरक्षा दीवार से लोगों को और अधिक बाढ़ का खतरा सताने लगा हैं। हालत यह है कि ट्रेंचिंग ग्राउंड की चौड़ाई बढ़ाने के लिए नदी के बीच से ही सुरक्षा दीवार का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। ऐसे में चौड़ाई कम होने से नदी का पूरा वेग आबादी की ओर होगा। ज्ञापन देने वालों में ठाकुर सिंह, गोपाल सिंह नेगी, अनुसुया प्रसाद सेमवाल आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार तहसील में प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजते पूर्व सैनिक

पोस्टर प्रतियोगिता में जीविका व निबंध में हेमलता रही प्रथम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में समान नागरिक संहिता दिवस से पूर्व विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान निबंध में हेमलता व पोस्टर में जीविका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

27 जनवरी को मनाए जाने वाले समान नागरिक संहिता दिवस से पूर्व विद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने विद्यार्थियों को समान नागरिक संहिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कहा कि यह एक ऐसा कानूनी ढांचा है जो विवाह, तलाक, विरासत, गोद लेने और उत्तराधिकार जैंसे व्यक्तिगत मामलों के लिए धर्म, जाति या लिंग की परवाह किए बिना सभी भारतीय नागरिकों को एक समान कानून लागू की वकालत करता है।

यूसीसी का उद्देश्य धर्मनिरपेक्षता और समानता को बढ़ावा देना है। भारतीय संविधान के भाग चार के अनुच्छेद 44 में राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों का हिस्सा है। उत्तराखंड देश का पहला राज्य है, जिसने स्वतंत्रता के बाद 27 जनवरी 2025 को समान नागरिक संहिता को लागू किया। इस दौरान बच्चों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता में हेमलता, अंशु किरन, जूनियर वर्ग में जीविका, निशा, शिवानी व सीनियर वर्ग में प्रेरणा, आरुषि, हिमानी ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर वर्ग की पोस्टर प्रतियोगिता में जीविका, निशा, शिवानी, सीनियर वर्ग में प्रेरणा, आरूषि हिमानी ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता यूसीसी के पक्ष से स्वाति और सिमरन, विपक्ष से श्वेता व अस्मिता नेगी ने अव्वल स्थान प्राप्त किया।

पब्लिक इंटर कालेज सुरखेत में आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती विद्यार्थी

वनों की सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : आमजन को वनों की सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए द्वारीखाल क्षेत्र में जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान सदस्यों व विद्यार्थियों ने लोगों को वन सुरक्षा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही लोगों ने वनों की सुरक्षा का भी संकल्प लिया।

द हंस फाउंडेशन की ओर से संचालित वनाग्नि शमन एवं रोकथाम परियोजना के तहत रैली निकाली गई। अभियान के तहत अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कालेज, देवीखेत द्वारीखाल की ओर से क्षेत्र में जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में विद्यार्थियों के साथ ही शिक्षकों, फायर फाइटर्स, कई समितियों के सदस्यों ने ग्रामीणों को वन सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। रैली विद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर देवीखेत मार्केट तक निकाली गई। इसके उपरांत सभा के माध्यम से लोगों को वनों को आग से बचाने के बारे में बताया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य राजीव रावत, हंस फाउंडेशन के सीडीएस सतीश बहुगुणा ने कहा कि बिना पर्यावरण संरक्षण हम जीवन की कल्पना नहीं कर सकते हैं। बेहतर भविष्य के लिए वनों की सुरक्षा आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को जंगलों में आग लगने के प्रमुख कारणों के बारे में बताया। कहा कि कहीं भी आग लगने की घटना होने से तुरंत वन विभाग को सूचना दें। इस मौके पर रोहित गडिया, संगीता देवी, नीलम रावत ,यशपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आईडेन्टिटी संख्या : U40109UP2001SGC025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

ई-निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसमें उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त विद्युत ठेकेदारी "ए" श्रेणी लाईसेन्स प्राप्त (जी०एस०टी, ई०पी०एफ व ई०एस०आई में पंजीकृत) हो तथा पंजीकृत ठेकेदारों से निविदाएं दो भागों में जिसमें प्रथम भाग में वांछित जी०एस०टी, ई०पी०एफ, ई०एस०आई, धरोहर धनराशि किसी भी बैंक / डाकघर की एफडीआर / सीडीआर / राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अधोहस्ताक्षरकर्ता के पक्ष में बंधक होनी चाहिए एवं अन्य शर्तें जो निविदा से सम्बन्धित हो तथा द्वितीय भाग में दरें जो कि ऑनलाइन निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 06 माह के लिए वैध हो आमन्त्रित की जाती है। बिना प्रथम भाग के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी ई-निविदा को निरस्त कर सकते हैं। ई-निविदा संख्या-09/EDDK/25-26, धरोहर धनराशि रू0 45000.00। ई-निविदा संख्या-10/EDDK/25-26, धरोहर धनराशि रू0 21000.00। एवं ई-निविदा संख्या-11/EDDK/25-26, धरोहर धनराशि रू0 40000.00। तथा ई-निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करने की तिथि 11.02.2025 को 11.00 बजे तक स्वीकार की जायेगी कार्य अन्य विवरण के लिये वेबसाइट www.uktenders.gov.in को देखें।

पत्रांक : 225/ विविखं / डी-6
दिनांक : 20.01.2026

अधिशासी अभियन्ता,
वि0वि0 खण्ड, कोटद्वार

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

मलबा आने से बंद हुआ गुमखाल-सतपुली राष्ट्रीय राजमार्ग

गुमखाल-सतपुली के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहाड़ से आया मलबा

जयन्त प्रतिनिधि कोटद्वार : सतपुली और गुमखाल के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग पर चल रहे रोड कटिंग के दौरान पहाड़ी का भारी मलबा राष्ट्रीय राजमार्ग पर आ गया। जिसके कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पूरी तरह बंद हो गया। वाहनों को डेरियाखाल-सिसल्डी से सतपुली स्थित दुधारखाल तिराहा से आवागमन करवाया गया। गुमखाल और सतपुली के बीच कई जगहों पर चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है। मंगलवार दोपहर को पूर्व की भांति मशीनों से हाईवे चौड़ीकरण का काम चल रहा था। करीब 12 बजे पहाड़ कटिंग के दौरान कुल्हाड़ व सतपुली मल्ली के बीच बड़ी मात्रा में बोल्डर व मलबा हाईवे पर आ गया। तब से हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। हाईवे पर आवाजाही ठप होने के बाद छोटे वाहनों ने वैकल्पिक मार्ग रैतपुर के कच्चे रास्ते से सतपुली बाजार तक आवाजाही शुरू कर दी थी। वैकल्पिक मार्ग के रूप में वाहनों का संचालन डेरियाखाल-सिसल्डी से दुधारखाल तिराहे से आवागमन करवाया गया। लंबा रूट होने के कारण वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। अधिकारियों की माने तो मलबा हटाने का कार्य चल रहा है। इसके लिए कई जेसीबी व पोकलेन मशीने मौके पर तैनात की गई है। जल्द से जल्द मार्ग को खोलने का प्रयास किया जा रहा है।

कर्मचारियों ने उठाई समस्याओं के निराकरण की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने सरकारी कर्मचारियों व अधिकारियों की समस्याओं के निराकरण की मांग की है। कहा कि लगातार शिकायत के बाद भी सरकार समस्या को लेकर लापरवाह बनी हुई है। ऐसे में संगठन को आंदोलन के मजबूर होना पड़ेगा।

मंगलवार को खाद्य विज्ञान प्रशिक्षण केंद्र में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की बैठक आयोजित की गई। कर्मचारियों ने कहा कि वह पूरी गंभीरता के साथ अपने कार्यों का निर्वहन कर रहे हैं। बावजूद कर्मचारियों व अधिकारियों के हितों की अनदेखी की जा रही है। लगातार आंदोलन के बाद भी अब तक पुरानी पेंशन बहाल नहीं की गई है। गोल्डन कार्ड की विसंगतियों को दूर करने के लिए सरकार लापरवाह बनी हुई है। पदोन्नति व वेतनमान लागू नहीं होने से कर्मचारियों का मनोबल टूटता जा रहा है। कहा कि केंद्रीय कर्मचारियों की तरह राज्य कर्मियों को भी आवास व भत्ता सुविधा दी जानी चाहिए। कर्मचारियों ने जल्द समस्याओं का निराकरण नहीं होने पर आंदोलन की भी चेतावनी दी। कहा कि कर्मचारियों व अधिकारियों की अनदेखी कभी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मौके पर परिषद के गढ़वाल मंडल अध्यक्ष हर्षमोहन नेगी, जिला मंत्री जेपी मिश्रा, उद्यान कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह रावत, देवेंद्र नाथ, अंकित सिंह, पंकज सैनी, नंदिता जोशी, सोनाली नेगी, आश्रिता गुसाईं, कनक कटारिया, बिजेंद्र सिंह, सरिता, नीरज नेगी, रिंकी कुकरेती आदि मौजूद रहे।

कार्यालय सहायक अभियन्ता (प्रथम), ग्रामीण निर्माण विभाग, उपखण्ड-पौड़ी/कोट।

पत्रांक 118 / दो-लेखा/निविदा-सूचना/2025-26 दिनांक 20/01/2026

" अल्पकालीन निविदा सूचना"

उत्तराखण्ड राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्न निर्माण कार्यों की मुहरबन्द निविदा सहायक अभियन्ता, ग्रामीण निर्माण विभाग उपखण्ड-पौड़ी द्वारा दिनांक 03.02.2026 के अपरान्ह 11:30 बजे तक ग्रामीण निर्माण विभाग के उपखण्ड-पौड़ी में आंमत्रित की जाती है। जो उसी दिन इंगित निविदा अपराहन 12:00 बजे को अधोहस्तारी कार्यालय में उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी। निविदा प्रपत्रों का विक्रय दिनांक 30.01.2026 से 02.02.2026 को सांय 4:00 बजे तक उपखण्ड-पौड़ी में किया जायेगा, किन्ही अपरिहार्य कारणों से निर्धारित तिथि को अवकाश हो जाने पर मुहरबन्द निविदा अगले कार्य दिवस में प्राप्त/खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	विकास खण्ड	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य अवधि	कार्य पूर्ण करने की वैधता	निविदा की ठेकेदारों की श्रेणी	विभाग में पंजीकृत
1	जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड पौड़ी के अन्तर्गत अपर निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा गढ़वाल मण्डल, पौड़ी के परिसर की क्षतिग्रस्त बाउण्ड्रीवाल, परिसर भवन का मरम्मत कार्य एवं शौचालय का मरम्मत कार्य।	पौड़ी	20000.00	1000.00+ GST 18%	04 माह	45 दिन /उच्च	भवन निर्माण श्रेणी ''ई''
2	जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड कोट के अन्तर्गत इण्टर कॉलेज देवप्रयाग की क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवार का निर्माण कार्य।	कोट	15000.00	500.00+ GST 18%	04 माह	45 दिन /उच्च	भवन निर्माण श्रेणी ''ई''
3	जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड कोट के अन्तर्गत इण्टर कॉलेज कोट की क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवार का निर्माण कार्य।	कोट	9000.00	500.00+ GST 18%	04 माह	45 दिन /उच्च	भवन निर्माण श्रेणी ''ई''

सहायक अभियन्ता (प्रथम),
ग्रामीण निर्माण विभाग,
उपखण्ड- पौड़ी/कोट।

(1493/80)

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेसियों ने कांडीखाल से अलेरू तक निकाली मनरेगा बचाओ पद यात्रा

नई टिहरी। मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी के नेतृत्व में थौलधार ब्लॉक में कांडीखाल से अलेरू तक मनरेगा बचाओ पदयात्रा निकाली। उन्होंने केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि मनरेगा कानून वापस नहीं लिया गया तो देशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा। कांडीखाल से अलेरू पहुंची मनरेगा पदयात्रा के बाद वहां पर हुई सभा में विधायक नेगी ने कहा कि मनरेगा अब रोजगार गारंटी नही बल्कि एक मात्र योजना बन गई है। अब मनरेगा योजना में अकुशल श्रमिकों को रोजगार की कोई गारंटी नहीं होगी। भाजपा सरकार ने मनरेगा का नाम विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार करके राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और रविंद्र नाथ टैगोर जैसी महान विभूतियों को अपमानित करने का कार्य किया है। पद यात्रा में जिला पंचायत उपाध्यक्ष मान सिंह रौतेला, प्रदेश महासचिव नरेंद्र राणा, ब्लॉक अध्यक्ष बिजेंद्र सिंह रावत, जिला महासचिव विक्रम गुसाईं, नई टिहरी शहर अध्यक्ष कुलदीप पंवार, विजयपाल नेगी, भरत सिंह बुटोला, दिनेश कृषाली शामिल थे।

नगर पंचायत ने होटल व्यवसायियों को कपड़े के बैग बांटे

नई टिहरी। नगर पंचायत की ओर से पर्यावरण के लिए खतरा बन रहे प्लास्टिक के बदले कपड़े के बैग का उपयोग करने पर जोर दिया गया है। नगर पंचायत ने स्वच्छता अभियान के तहत नगर क्षेत्र के होटल व्यवसायियों और ग्राहकों को बैग वितरित कर प्लास्टिक का उपयोग कतई नहीं करने की अपील की। प्लास्टिक पर्यावरण के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है। नगर क्षेत्र से लेकर गांव–गांव में प्लास्टिक बड़ी समस्या के रूप में सामने आ रहा है। डीएम नितिका खंडेलवाल ने स्वच्छता अभियान के तहत सभी नगर पालिका और नगर पंचायतों को नगर क्षेत्र में प्लास्टिक प्रतिबंधित करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत घनसाली नगर पंचायत ने प्लास्टिक छोड़ने के लिए लोगों को कपड़े के बैग वितरित किए हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष आनंद बिष्ट ने कहा कि प्लास्टिक इंसान के शरीर में घुसकर कैंसर जैसी घातक बीमारियों को जन्म दे रहा है। इस मौके पर अधिशासी अधिकारी संजय दत्त कापड़ी और पर्यावरण पर्यवेक्षक कार्तिक डोभाल आदि मौजूद थे।

टैक्सी चालक एसोसिएशन ने 15 फरवरी से चक्का जाम की दी चेतावनी

नई टिहरी। व्यावसायिक वाहनों की फिटनेस पूर्व की भांति जिलों में ही कराने की मांग को लेकर टिहरी गढ़वाल टैक्सी चालक एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा है। एसोसिएशन के अध्यक्ष टीकम सिंह चौहान के नेतृत्व में संगठन के सदस्यों ने डीएम नितिका खंडेलवाल के माध्यम से प्रधानमंत्री को भेजे ज्ञापन में बताया है कि परिवहन विभाग ने नए नियमों के तहत वाहनों की फिटनेस की व्यवस्था पहाड़ी क्षेत्रों से हटाकर मैदानी क्षेत्रों में कर दी है जिससे दूरस्थ क्षेत्र के वाहन संचालकों को भारी दिक्कत हो रही है। इससे उन्हें आर्थिक और समय का नुकसान हो रहा है। दूरस्थ पहाडी क्षेत्रों से 200 से 500 किमी की दूर तय कर फिटनेस के लिए जाना पड़ रहा है। समस्या का समाधान न होने पर टैक्सी चालक एसोसिएशन ने 15 फरवरी से चक्काजाम करने की चेतावनी दी है। इस मौके पर एसोसिएशन के महासचिव राजेश नौटियाल, कोषाध्यक्ष रणधीर सिंह रावत, अनिल भंडारी, शरीफ बेग, कुलदीप भंडारी, विजय रावत आदि मौजूद रहे।

बिल्डर को ब्लैकमेल कर एक करोड़ मांगने के आरोपी पर केस

देहरादून। शहर के एक बिल्डर को सोशल मीडिया पर बदनाम करने और जान से मारने की धमकी देकर एक करोड़ रुपये मांगने का मामला सामने आया है। पीड़ित बिल्डर का आरोप है कि आरोपी ब्लैकमेलिंग के जरिए उनसे करीब 17 लाख रुपये वसूल चुका है। अब उसने एक करोड़ रुपये की मांग कर दी है। पीड़ित की तहरीर पर डालनवाला कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर डालनवाला संतोष सिंह कुंवर के मुताबिक तहरीर में जीएमएस रोड स्थित नवयुग एंक्लेव निवासी राजेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि वह आरए कंस्ट्रक्शन फर्म में पार्टनर हैं। जिसका कार्यालय हाथीबड़कला स्थित दून–वन कॉम्प्लेक्स में है। उन्होंने आरोप लगाया कि व्योम शर्मा जो मूल रूप से दाबकी गुज्जर, चिलकाना, बड़गांव सहारनपुर (यूपी) का रहने वाला है ।

महिलाओं ने सीखें मशरूम उत्पादन और मधुमक्खी पालन की बारीकियां

पांच दिवसीय वन उपज से आजीविका संवर्धन कार्यशाला सम्पन्न

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : रुद्रप्रयाग वन प्रभाग के दक्षिणी जखोली रेंज के अंतर्गत योजना के तहत रौठिया गांव में पांच दिवसीय 'वन उपज से आजीविका संवर्धन' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर में ग्रामीणों को मशरूम उत्पादन और वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन की बारीकियां सिखाई जा रही हैं।

मैसर्स अनंत हिमलयाज जखोली और मैसर्स ग्रीनहट ऑर्गेनिक ग्लोबल पहाड़ी के तकनीकी सहयोग से आयोजित इस शिविर में स्थानीय महिलाओं और युवाओं को न केवल उत्पादन, बल्कि मशरूम का अचार बनाने और उसे सुखाकर संरक्षित करने के गुर भी सिखाए जा रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, मशरूम की खेती और मधुमक्खी पालन ऐसे कृषि आधारित उद्योग हैं जिन्हें भूमिहीन किसान, महिलाएं और बुजुर्ग भी कम लागत में अपनाकर अपनी आय दोगुनी कर सकते हैं। कार्यशाला में विशेष रूप से एपिस सेरेनाश, मधुमक्खी और ऑयस्टरश व बटन मशरूम पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जो उत्तराखंड की जलवायु के लिए सर्वोत्तम माने जाते हैं। उप प्रभागीय वनाधिकारी पुण्डीर ने बताया कि इस पहल का मुख्य लक्ष्य ग्रामीणों को वनों के संरक्षण से जोड़ते हुए उनकी आजीविका को सुरक्षित करना है, जिससे लोकल फॉर वोकल का सपना साकार हो सके। इस मौके पर रेंज अधिकारी हरीश थपलियाल, वन दरोगा गोविंद चैहान, ग्रामीण विजयपाल, बलबीर, काजल देवी, कमला देवी, अमारी देवी, योगिता देवी सुशील देवी आदि उपस्थित रहे।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय का भ्रमण किया

कोटद्वार। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय (UOU) के पौड़ी क्षेत्रीय केन्द्र के सहायक क्षेत्रीय निदेश (ARD) पंकज कुमाने ने आज डॉ. पीतांबर दत्त बड़थ्वाल हिमालयन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (पीजी कालेज) कोटद्वार का भ्रमण किया।

इस दौरान उन्होंने महाविद्यालय स्थित अध्ययन केन्द्र (कोड-12042) की समन्वयक प्रो. राखी डिमरी के साथ मिलकर विश्वविद्यालय के प्रचार-प्रसार अभियान में हिस्सा लिया। इस अवसर पर प्रो. नवीन जोशी और असि.प्रो. कपिल थपलियाल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पंकज कुमार, समन्वयक प्रो. राखी डिमरी व अन्य वरिष्ठ प्राध्यापकों ने संयुक्त रूप से पोस्टर के माध्यम से छात्र-छात्राओं को दूरस्थ शिक्षा और विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठयक्रमों की जानकारी दी।

ड्राइविंग लाइसेंस और फिटनेस नहीं मिलने पर सात वाहन बंद किए

नई टिहरी। सड़क सुरक्षा अभियान के तहत संभागीय परिवहन विभाग और पुलिस ने संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान एमवी एक्ट का उलंघ्घन करने पर सात वाहन बंद किए गए जबकि 15 वाहन चालकों का चालान किया गया। वाहन चालकों को दुर्घटनाओं से बचने के लिए यातायात के नियमों का पालन करने की अपील की गई। यातायात व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने और आमजन की जान–माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण जरूरी है। एमवी एक्ट का पालन कराने के लिए एआरटीओ और कोतवाली पुलिस ने बौराड़ी–भागीरथीपुरम मोटर मार्ग पर संयुक्त रूप से विशेष चेकिंग अभियान चलाया। एआरटीओ सत्येंद्र राज ने बताया कि चेकिंग अभियान में ओवरलोडिंग, रैश एवं लापरवाह वाहन संचालन, बिना हेलमेट/सीट बेल्ट वाहन चलाना, वैध वाहन दस्तावेजों का अभाव आदि की जांच की गई। इस दौरान कई वाहन चालक बिना ड्राइविंग लाइसेंस, बिना फिटनेस और बिना टैक्स जमा किए बगैर वाहनों का संचालन करते हुए पाए गए। जबकि 15 वाहन चालकों का चालान किया गया। एआरटीओ ने बताया कि चेकिंग अभियान के दौरान वाहन चालकों और आमजन को यातायात नियमों का पालन करने, सुरक्षित गति से वाहन संचालन करने, ओवरलोडिंग से बचने और सड़क सुरक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।

पंजाब व राजस्थान की तर्ज पर ओपीएस का लाभ दिया जाएं

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तराखंड से संबद्ध विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने कहा कि कई बार वाहन भत्ता 1200 रुपये प्रतिमाह में बढ़ोत्तरी करने और एनपीएस के बजाय पंजाब व राजस्थान की तर्ज पर उन्हें ओपीएस का लाभ दिया जाए।विकासखंड सभागार कोट में आयोजित बैठक में वेतन विसंगतियों को दूर करने, दस वर्ष से अधिक सेवा पूरी कर चुके कर्मचारियों को पदोन्नति में शीथिलीकरण का लाभ देने समेत 18 सूत्री मांगों को पूरा करने को लेकर चर्चा की। कर्मचारियों ने सरकार से लंबित मांगों को शीघ्र पूरा करने की मांग उठाई। पंचायतीराज संघ पौड़ी के जिलाध्यक्ष योगेंद्र राणा ने कहा कि विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मचारी पिछले लंबे समय से मांगों को लेकर सरकार को अवगत कराते आ रहे हैं। इस मौके पर विजय कपरुवाण, प्रमोद सेमवाल, धन सिंह नेगी, अश्विनी रतूड़ी, विकास थपलियाल आदि मौजूद रहे।

बहुउद्देशीय शिविर में 65 शिकायतें दर्ज

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड गैरसेण के विकासखंड परिसर में बुधवार को बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी द्वारा की गई। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागीय सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना रहा।

शिविर के दौरान कुल 65 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापरक समाधान हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं का समाधान समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से 567 लोगों ने सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ उठाया। इस अवसर पर राज्य मंत्री रामचंद्र गौड़, बीके टीसी उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, ब्लॉक प्रमुख दुर्गा देवी, परियोजना निदेशक आनंद सिंह भाकुनी, जिला विकास अधिकारी केके पांडे, उपजिलाधिकारी सोहन सिंह रंगण, खंड विकास अधिकारी पवन कंडारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

छात्र पर लोहे की रॉड से हमला

देहरादून। प्रेमनगर थाना क्षेत्र के बिधौली में यूपीईएस के सीएस तृतीय वर्ष के छात्र पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। आरोपियों ने लोहे की रॉड से वार कर छात्र के सिर की हड्डी तोड़ दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने तीन नामजद और एक अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर में यतिन अत्री निवासी पुलिस लाइन, सेक्टर–30, फरीदाबाद (हाल निवासी पावर एंड बैंकिंग कॉलोनी, बिधौली) ने बताया कि वह यूपीईएस में कंप्यूटर साइंस का छात्र है। घटना बीते 12 दिसंबर की देर रात करीब 3:30 बजे की है। यतिन अपने दोस्त कौशल और राहुल के साथ पौंधा की ओर जा रहा था। आरोप है कि बिधौली रोड पर आरव पीजी (किशनपुर बोर्ड) के पास अमन रावत नामक युवक ने अपने साथियों लक्की कोचर, अनुज कुकरेती और एक अन्य को बुला लिया। यतिन ने बताया कि आरोपियों को आक्रोशित देख जैसे ही वह अपनी गाड़ी में बैठने लगा अमन रावत और साथियों ने हमला कर दिया। हमले में छात्र के सिर की हड्डी टूट गई है। लंबे उपचार के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी मिली। इसके बाद उसने केस दर्ज कराया। एसओ प्रेमनगर कुंदन राम ने बताया कि मामले में केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों ने सीएमओ के सामने रखी मांगें

देहरादून। चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी संघ के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष नवीन कुमार नवानी और जिला मंत्री दिनेश गुसाईं के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ मनोज शर्मा से शिष्टाचार भेंट की। सीएमओ ने कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि उनकी सभी जायज मांगों का समय से निस्तारण किया जाएगा।

आश्वासन मिलने पर संघ ने सीएमओ का आभार जताया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में नेलसन कुमार अरोड़ा, त्रिभुवन पाल, नवीन शर्मा, सतीश कन्नौजिया, अशोक कुमार यादव, राकेश कुमार, विनोद बिष्ट, कमल कुमार, कुनाल गुरंग, रामसेवक और सौरभ सिंह शामिल रहे।

साधों सिंह अध्यक्ष तो सुरेन्द्रपाल तोमर बनें प्रबन्धक

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जनता इंटर कॉलेज किनगोड़ीखाल प्रबन्ध समिति का गठन किया गया। प्रबन्ध समिति में साधो सिंह अध्यक्ष, सुरेन्द्रपाल सिंह तोमर को प्रबन्धक चुना गया।

विद्यालय में समस्त चुनावी प्रक्रिया चुनाव पर्यवेक्षक प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज धुमाकोट आनन्द सिंह बिष्ट एवं चुनाव अधिकारी प्रधानाचार्य जनता इंटर कॉलेज चैड चैनपुर धनपाल सिंह रावत की देखरेख में सम्पन्न हुआ। प्रबन्ध समिति में साधो सिंह अध्यक्ष, उपाध्यक्ष उमेश सिंह नेगी, प्रबन्धक सुरेन्द्रपाल सिंह तोमर, उप प्रबन्धक भारत सिंह, कोषाध्यक्ष चन्द्रजीत सिंह को चुना गया। कार्यकारिणी सदस्य पीताम्बर सिंह, धर्मपाल सिंह, योगेश नौगाई, विवेकानन्द, केशर सिंह मनराल, संजयपाल सिंह, रमेश कुमार, संरक्षक सदस्य गजेन्द्र सिंह रावत, आजीवन सदस्य नरेन्द्रपाल सिंह तोमर, श्रीमती किरन शर्मा को चुना गया। चुनाव प्रक्रिया में शिक्षक कुलदीप रावत, आरसी मंझेडा ने सहयोग किया। विद्यालय प्रधानाचार्य रमेशचन्द्र गैरोला ने सभी निर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को हार्दिक बधाई देते हुए विद्यालय के विकास में सहयोग देने की बात कही।

सिटी बस संचालकों ने किया परिवहन विभाग के खिलाफ प्रदर्शन

देहरादून। देहरादून महानगर सिटी बस सेवा सोसाइटी ने बुधवार को लैंसडाउन चौक स्थित परेड ग्राउंड में परिवहन विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया। बस संचालकों ने परिवहन विभाग पर हाईकोर्ट के आदेशों की अवेहलना का आरोप लगाया। तहसीलदार के माध्यम से सीएम को ज्ञापन भेजकर कार्रवाई की मांग की है। सोसाइटी के अध्यक्ष विजय वर्धन डंडरियल ने कहा कि हाईकोर्ट ने स्पष्ट आदेश दिया था कि सिंगल दरवाजे वाले वाहनों के परमिट का नवीनीकरण नहीं किया जाएगा, लेकिन आरटीओ देहरादून नियमों को ताक पर रखकर नवीनीकरण कर रहे हैं। उन्होंने यह भी मुद्दा उठाया कि 23 सितंबर 2025 के आदेशानुसार कंडक्टर का कार्य यात्रियों के प्रवेश–निकास को रेगुलेट करना है, जबकि टाटा मैजिक जैसे छोटे वाहनों में इसके लिए कोई जगह ही नहीं है। आरोप लगाया कि केंद्रीय मोटरयान अधिनियम के बस बॉडी कोड का उल्लंघन कर 8–10 सीटर वाहनों को सिटी बस का परमिट दिया जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि परिवहन विभाग की संदिग्ध कार्यप्रणाली की एसआईटी या विजिलेंस जांच कराई जाए, ताकि भ्रष्टाचार का पर्दाफाश हो सके। प्रदर्शन करने वालों में मनमोहन बिष्ट, रूपेश कुल्हान, उपेंद्र रावत, संजय कुमार, देवेंद्र सोलंकी आदि मौजूद रहे।

रांग साइड आ रही कार ने वॉक पर निकले बुजुर्ग को मारी टक्कर

देहरादून। एफआरआई के पास शाम की सैर पर निकले एक बुजुर्ग को गलत दिशा से आ रही तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में पंडितवाड़ी निवासी कपिल कुमार सिंघल गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पीड़ित की बेटी सलोनी सिंघल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पिता बीते 20 जनवरी की शाम करीब पांच बजे घर से पैदल घूमने निकले थे। तभी एफआरआई के पास चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें गलत साइड में जाकर टक्कर मार दी। कपिल कुमार का गंभीर हालत में निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। एसओ बसंत विहार अशोक राठौर ने बताया कि शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

होटल कारोबारी के घर पूर्व ड्राइवर ने कराई थी लूट

देहरादून। राजपुर रोड पर साईं मंदिर के पीछे स्थित अजंता होटल मालिक के घर में इनके पूर्व ड्राइवर ने लूट कराई थी। बुधवार को पुलिस ने घटना को खुलासा करते हुए पूर्व ड्राइवर, उसके साले और एक अन्य रिश्तेदार को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों के कब्जे से डेढ़ लाख रुपये नगदी और करीब आठ लाख रुपये के गहने बरामद हुए हैं। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि घटना 17 जनवरी की रात की है। राजपुर रोड, साईं मंदिर के पीछे ढाक पट्टी के निवासी भुवन गांधी बीते 16 जनवरी को अपने बेटे को छोड़ने दिल्ली गए थे। घर पर उनकी 76 वर्षीय बुजुर्ग मां अकेली थीं। इसी का फायदा उठाकर रात के अंधेरे में बदमाश घर में घुसे और बुजुर्ग महिला को डरा–धमकाकर अलमारी से लाखों के जेवर और नकदी लूटकर फरार हो गए। अगले दिन केस दर्ज होने पर घटना के खुलासे के लिए राजपुर थाना पुलिस और एसओजी की कई टीमें गठित की थीं। सुरागरासी और सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद पुलिस ने बुधवार को कृषाली चौक से मालदेवता रोड के बीच चेकिंग के दौरान वारदात में शामिल आरोपी शफात अली, नदीम उर्फ गुड्डू और इश्तियाक उर्फ कुले को गिरफ्तार कर लिया।

बिल्ड बैक बैटर के लक्ष्य को ध्यान में रखें विभाग : सुमन

देहरादून। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बुधवार को राज्य के विभिन्न विभागों द्वारा सेंडई फ्रेमवर्क के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में आयोजित बैठक में उन्होंने सेंडई फ्रेमवर्क (2015–2030) के लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान उन्होंने सभी विभागों को एक सप्ताह के भीतर अपने–अपने विभाग का एक्शन प्लान प्रस्तुत करने को कहा। समीक्षा बैठक के दौरान सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने कहा कि सेंदाई फ्रेमवर्क आपदाओं से होने वाली जनहानि, प्रभावित लोगों की संख्या, आर्थिक क्षति तथा बुनियादी सेवाओं और महत्वपूर्ण अवसंरचनाओं को होने वाले नुकसान को न्यूनतम करने की दिशा में एक वैश्विक रूपरेखा प्रदान करता है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य के सभी विभागों को अपनी विभागीय आपदा प्रबंधन योजना तैयार करनी होगी तथा प्रत्येक विभाग में आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ की स्थापना सुनिश्चित की जाएगी। सुमन ने कहा कि सेंदाई फ्रेमवर्क की पहली प्राथमिकता आपदा जोखिम को समझना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आपदा से संबंधित आंकड़ों का व्यवस्थित संग्रह, विश्लेषण एवं उपयोग अत्यंत आवश्यक है। इसके अंतर्गत आपदाओं से हुई क्षति का वैज्ञानिक मूल्यांकन, सामाजिक, आर्थिक, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण एवं सांस्कृतिक विरासत पर पड़ने वाले प्रभावों की समझ, प्रशिक्षण एवं शिक्षा के माध्यम से सभी हितधारकों की क्षमता वृद्धि तथा वैज्ञानिक ज्ञान के साथ स्थानीय एवं पारंपरिक अनुभवों के समन्वय को बढ़ावा दिया जाएगा।दूसरी प्राथमिकता, आपदा जोखिम प्रबंधन को सुदृढ़ करना पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि इसके लिए तकनीकी, वित्तीय एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं को मजबूत करना होगा। भूमि उपयोग, शहरी नियोजन, भवन निर्माण संहिता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा मानकों से संबंधित नियमों को सुदृढ़ करते हुए उनका कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। इसके साथ ही जनपद एवं राज्य स्तर पर आपदा जोखिम न्यूनीकरण से संबंधित संस्थागत ढांचे को मजबूत किया जाएगा। तीसरी प्राथमिकता आपदा जोखिम न्यूनीकरण में निवेश के संबंध में उन्होंने कहा कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जोखिम कम करने हेतु योजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। विकास योजनाओं में आपदा जोखिम मूल्यांकन, मानचित्रण एवं प्रबंधन को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाएगा तथा राज्य की महत्वपूर्ण अवसंरचनाओं और सेवाओं को सुरक्षित बनाने के लिए दीर्घकालिक रणनीतियाँ अपनाई जाएंगी। साथ ही स्थानीय, जनपद एवं राज्य स्तर पर जोखिम न्यूनीकरण रणनीतियों को अपनाने वाले विभागों एवं संस्थानों की संख्या बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। चैथी प्राथमिकता आपदा के प्रति तैयारी तथा प्रभावी प्रतिक्रिया एवं पुनर्निर्माण को लेकर उन्होंने कहा कि आपदा पूर्व तैयारी, जन–जागरूकता, त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता तथा तकनीकी एवं लॉजिस्टिक क्षमताओं का सुदृढ़ीकरण अत्यंत आवश्यक है। आपदा पश्चात पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण कार्यों में बिल्ड बैक बेटर की अवधारणा को अपनाते हुए भविष्य की आपदाओं के प्रति जोखिम को कम किया जाएगा।

इसके अंतर्गत बहु–आपदा पूर्व चेतावनी प्रणाली के सुदृढ़ीकरण तथा चेतावनी के समयबद्ध और प्रभावी प्रसार पर भी बल दिया गया।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com